चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	13.02.2021	03	02-05

मिलेगा लाभ इस किस्म को राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार व हरियाणा के किसान कर रहे पसंद

जल्द मिलेगा सरसों की अधिक पैदावार देने वाला हाईब्रिड बीज

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय जल्द ही किसानों को सरसों की अधिक पैदावार देने वाली हाईब्रिड किस्म मुहैया कराएगा। हाईब्रिड किस्म के लिए लगातार शोध कार्य चल रहे हैं। जिसमें विज्ञानियों को सकारात्मक परिणाम भी मिल रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2018 में विकसित किस्म आरएच-725 की लोकप्रियता हरियाणा प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश के दूसरे प्रदेशों में भी बढ़ रही है। इस किस्म के अग्रिम पंक्ति परीक्षण राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार व हरियाणा के लगभग सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में लगे हुए हैं। खास बात है कि किसान भी इस किस्म को काफी पंसद कर रहे है।

सरसों के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी

डा. एसके सहरावत: अनुसंधान निदेशक डा. एसके सहरावत ने बताया कि वर्ष 1972-73 में राया व सरसों का उत्पादन 464 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर था जो वर्ष 2017-18 में बढ़कर 2018 किलोग्राम प्रति हेक्टयर पहुंच गया। एचएयू ने अब तक राया व सरसों की 20 किस्मों को विकसित किया है, जिसमें 11 राज्य व नौ राष्ट्रीय स्तर की हैं। मनुष्य के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए तेल की महत्ता व गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए अनुभाग की ओर से संकर किस्मों को विकसित करने का कार्य प्रगति पर है।

एचएयू के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि विज्ञानिकों से बातचीत करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह। • विज्ञप्ति

चार टन प्रति हेक्टेयर है उपज

पौद्य प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डा. एके छाबड़ा ने बताया कि आरएच-725 बारानी व सिंचित क्षेत्र के लिए समय पर बिजाई के लिए उत्तम किस्म है। इसकी संभावित उपज 4.0 टन प्रति हेक्टेयर है। यह किस्म लोकप्रिय किस्म आरएच-30 का अच्छा विकल्प साबित हो रही है।

सरसों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व रोगों की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहनीय हैं। शोध कार्यों से जो हाईब्रिड किस्म तैयार की जा रही है उससे भविष्य में किसानों को राया व सरसों की अधिक पैदावार के साथ-साथ आय में भी आशातीत वृद्धि होगी। **प्रो समर सिंह,** कुलपति, एचएयू

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरिभूमि	13.02.2021	09	02-06

खेतीबाड़ी | **विश्वविद्यालय में शोध के लगातार सकारात्मक परिणाम मिल रहे**

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से किसानों को जल्द मिलेगी सरसों की हाईब्रिड किस्मों की सौगात

विश्वविद्यालय ने अब तक राया व सरसों की 20 किस्मों को विकसित किया

- संकर किस्मों को विकसित करने का कार्य प्रगति पर
- आरएच-725 बारानी व सिंचित क्षेत्र के लिए समय पर बिजाई के लिए उत्तम किस्म

हरिभूमि न्यूज ⏭ हिसार

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक जल्द किसानों को सरसों की अधिक पैदावार देने वाली हाईब्रिड किस्मों की सौगात देने वाले हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय में लगातार शोध कार्य जारी हैं, जिनके अब तक लगातार सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2018 में विकसित किस्म आरएच-725 की लोकप्रियता हरियाणा प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश के दूसरे प्रदेशों में भी बढ़ रही है। इस किस्म के अग्रिम पंक्ति परीक्षण राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार तथा हरियाणा के लगभग सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में लगे है और किसान भी इस किस्म को काफी पसंद कर रहे हैं।

सरसों के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी : डॉ. सहरावत

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि वर्ष 1972-73 में राया व सरसों का उत्पादन 464 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर था जो वर्ष 2017-18 में बढकर 2018 किलोग्राम प्रति हेक्टयर पहुंच गया, ये सब विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उच्च कोटी की अधिक पैदावार देने वाली किस्मों की देन है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने अब तक राया व सरसों की 20 किस्मों को विकसित किया है, जिसमें 11 राज्य व 9 राष्ट्रीय स्तर की हैं। मनुष्य के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए तेल की महत्ता व गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए अनुभाग की ओर से संकर किस्मों को विकसित करने का कार्य प्रगति पर है।

वैज्ञानिक निरंतर प्रयासरत : डॉ. छाबड़ा

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता व आनुवांशिकी एवं पौद्य प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छाबड़ा ने बताया कि आरएच-725 बारानी व सिंचित क्षेत्र के लिए समय पर बिजाई के लिए उत्तम किस्म है। इसकी संभावित उपज 4.0 टन प्रति हेक्टेयर है। यह किस्म लोकप्रिय किस्म आरएच-30 का विकल्प साबित हो रही है। राया तथा सरसों की पैदावार को ओर बढ़ाने के लिए तिलहन अनुभाग के वैज्ञानिक उन्नत किस्में व हाईब्रिड किस्मों को विकसित करने में निरंतर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की जा रही हाईब्रिड किस्मों की संभावित उपज पहले से विकसित किस्मों से ज्यादा तथा कम समय में पककर तैयार होने वाली है, जोकि विवि के लिए बड़ी उपलब्धि होगी।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	13.02.2021	07	01-06

किसानों को जल्द ही मिलेगी सरसों की हाईब्रिड किस्मों की सौगात

हकृवि कुलपति ने विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का लिया जायजा

हिसार, 12 फरवरी (सुरेंद्र सोढी) : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक जल्द ही किसानों को सरसों की अधिक पैदावार देने वाली हाईब्रिड किस्मों की सौगात देने वाले हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय में लगातार शोध कार्य जारी हैं, जिनके लगातार सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेते हुए यह जानकारी दी। उन्होंने कहा कि इन प्रयोगों व शोध कार्यों से जो हाईब्रिड किस्म तैयार की जा रही है उससे भविष्य में किसानों को राया व सरसों की अधिक पैदावार के साथ-साथ आय में भी आशातीत वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2018 में विकसित किस्म आरएच-725 की लोकप्रियता हरियाणा प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश के दूसरे प्रदेशों में भी बढ़ रही है। इस किस्म के अग्रिम पंक्ति परीक्षण राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार व हरियाणा के लगभग सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में लगे हुए है और किसान भी इस किस्म को काफी पंसद कर रहे है।

विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में कृषि वैज्ञानिकों से बातचीत करते विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह व जानकारी देते वैज्ञानिक।

सरसों के उत्पादन में हुई बढ़ौतरी : डा. सहरावत

अनुसंधान निदेशक डा. एस.के. सहरावत ने बताया कि वर्ष 1972-73 में राया व सरसों का उत्पादन 464 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर था जो वर्ष 2017-18 में बढक़र 2018 किलोग्राम प्रति हेक्टयर पहुंच गया, ये सब विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उच्च कोटी की अधिक पैदावार देने वाली किस्मों की देन है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने अब तक राया व सरसों की 20 किस्मों को विकसित किया है, जिसमें 11 राज्य व 9 राष्ट्रीय स्तर की हैं। मनुष्य के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए तेल की महत्ता व गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए अनुभाग की ओर से संकर किस्मों को विकसित करने का कार्य प्रगति पर है।

समय पर बिजाई के लिए उत्तम किस्म : डा. छाबड़ा

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता व आनुवांशिकी एवं पौद्य प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छाबड़ा ने बताया कि आरएच-725 बारानी व सिंचित क्षेत्र के लिए समय पर बिजाई के लिए उत्तम किस्म है। इसकी संभावित उपज 4.0 टन प्रति हेक्टेयर है। यह किस्म लोकप्रिय किस्म आरएच-30 का अच्छा विकल्प साबित हो रही है। राया व सरसों की पैदावार को ओर बढ़ाने के लिए तिलहन अनुभाग के वैज्ञानिक उन्नत किस्में व हाईब्रिड किस्मों को विकसित करने में निरंतर प्रयासरत है।

उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा सरसों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व रोगों की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। साथ ही भविष्य में भी पूरी लगन व मेहनत से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	13.02.2021	04	01-02

'सरसों की हाइब्रिड किस्मों की सौगात मिलेगी'

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (हकृवि) के वैज्ञानिक जल्द ही किसानों को सरसों की अधिक पैदावार देने वाली हाइब्रिड किस्मों की सौगात देने वाले हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय में लगातार शोध कार्य जारी हैं, जिनके लगातार सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के दौरान कही। उन्होंने कहा कि इन प्रयोगों व शोध कार्यों से जो हाइब्रिड किस्म तैयार की जा रही है, उससे भविष्य में किसानों को राया व सरसों की अधिक पैदावार के साथ-साथ आय में भी आशातीत वृद्धि होगी। तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. रामअवतार ने तिलहन अनुभाग में चल रहे गुणवत्ता वाले प्रजनन कार्यक्रम, हाइब्रिड विकास कार्यक्रम, जर्म प्लाज्मा की गुणवत्ता को बनाए रखने के शोध कार्यों के बारे में विस्तार से बताया। इस अवसर पर अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत, डॉ. एके छाबड़ा, एडीआर डॉ. नीरज, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर, डॉ. एसके पहुजा, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. सुरेश, डॉ. सुरेंद्र, डॉ. राकेश पुनिया, डॉ. विनोद गोयल आदि मौजूद रहे। ब्यूरो

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	**13.02.2021**	**02**	**05**

किसानों को जल्द सरसों की हाईब्रिड किस्मों की सौगात देगा एचएयू

हिसार | एचएयू के वैज्ञानिक जल्द ही प्रदेश के किसानों को सरसों की अधिक पैदावार देने वाली हाईब्रिड किस्मों की सौगात देने वाले हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय में लगातार शोध कार्य जारी हैं, जिनके लगातार सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। ये विचार विवि के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के उपरांत व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इन प्रयोगों व शोध कार्यों से जो हाईब्रिड किस्म तैयार की जा रही है उससे भविष्य में किसानों को राया व सरसों की अधिक पैदावार के साथ-साथ आय में भी आशातीत वृद्धि होगी। कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दौरे के अवसर पर एडीआर डॉ. नीरज, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर, डॉ. एस.के. पहुजा, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. सुरेश, डॉ. सुरेन्द्र, डॉ. राकेश पुनिया, डॉ. विनोद गोयल. डॉ. नीरज आदि मौजद थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**12.02.2021**	--	--

किसानों को मिलेगी सरसों की हाईब्रिड किस्मों की सौगात : कुलपति

एचएयू कुलपति ने विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का लिया जायजा

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक जल्द ही किसानों को सरसों की अधिक पैदावार देने वाली हाईब्रिड किस्मों की सौगात देने वाले हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय में लगातार शोध कार्य जारी हैं, जिनके लगातार सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। उक्त विचार उन्होंने विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के उपरांत व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इन प्रयोगों व शोध कार्यों से जो हाईब्रिड किस्म तैयार की जा रही है उससे

भविष्य में किसानों को राया व सरसों की अधिक पैदावार के साथ-साथ आय में भी आशातीत वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2018 में विकसित किस्म आरएच-725 की लोकप्रियता हरियाणा प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश के दूसरे प्रदेशों में भी बढ़ रही है। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा सरसों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व रोगों की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। साथ ही भविष्य में भी पूरी लगन व मेहनत से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

आरएच-725 उत्तम किस्म : डॉ. छाबड़ा

कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता व आनुवांशिकी एवं पौद्य प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छाबड़ा ने बताया कि आरएच-725 बारानी व सिंचित क्षेत्र के लिए समय पर बिजाई के लिए उत्तम किस्म है। इसकी संभावित उपज 4.0 टन प्रति हेक्टेयर है। यह किस्म लोकप्रिय किस्म आरएच-30 का अच्छा विकल्प साबित हो रही है। राया व सरसों की पैदावार को ओर बढ़ाने के लिए तिलहन अनुभाग के वैज्ञानिक उन्नत किस्में व हाईब्रिड किस्मों को विकसित करने में निरंतर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की जा रही हाईब्रिड किस्मों की संभावित उपज पहले से विकसित किस्मों से ज्यादा व कम समय में पककर तैयार होने वाली है। तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. रामअवतार ने तिलहन अनुभाग में चल रहे गुणवता वाले प्रजनन कार्यक्रम, हाईब्रिड विकास कार्यक्रम, जर्म प्लाज्म की गुणवत्ता को बनाए रखने के शोध कार्यों के बारे में विस्तार से बताया।

सरसों के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी : डॉ. सहरावत

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि वर्ष 1972-73 में राया व सरसों का उत्पादन 464 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर था जो वर्ष 2017-18 में बढ़कर 2018 किलोग्राम प्रति हेक्टयर पहुंच गया, ये सब विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उच्च कोटी की अधिक पैदावार देने वाली किस्मों की देन है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने अब तक राया व सरसों की 20 किस्मों को विकसित किया है, जिसमें 11 राज्य व 9 राष्ट्रीय स्तर की हैं। मनुष्य के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए तेल की महत्ता व गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए अनुभाग की ओर से संकर किस्मों को विकसित करने का कार्य प्रगति पर है।

यह रहे मौजूद

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह के दौरे के अवसर पर एडीआर डॉ. नीरज, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर, डॉ. एस.के. पहुजा, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. सुरेश, डॉ. सुरेन्द्र, डॉ. राकेश पुनिया, डॉ. विनोद गोयल, डॉ. नीरज, डॉ. श्वेता, डॉ. निशा, डॉ. नीता, डॉ. विवेक, डॉ. महावीर, डॉ. राजबीर सिंह, डॉ. रोहित, डॉ. मनजीत सहित अन्य अधिकारी व वैज्ञानिक मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पांच बजे न्यूज	**12.02.2021**	--	--

एचएयू कुलपति ने विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का लिया जायजा

किसानों को जल्द ही मिलेगी सरसों की हाईब्रिड किस्मों की सौगात : प्रो. समर सिंह

पांच बजे न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक जल्द ही किसानों को सरसों की अधिक पैदावार देने वाली हाईब्रिड किस्मों की सौगात देने वाले हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय में लगातार शोध कार्य जारी हैं, जिनके लगातार सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कहे। उक्त विचार उन्होंने विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के उपरांत व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इन प्रयोगों व शोध कार्यों से जो हाईब्रिड किस्म तैयार की जा रही है उससे भविष्य में किसानों को राया व सरसों की अधिक पैदावार के साथ-साथ आय में भी आशातीत वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2018 में विकसित किस्म आरएच-725 की लोकप्रियता हरियाणा प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश के दूसरे प्रदेशों में भी बढ़ रही है। इस किस्म के अग्रिम पंक्ति परीक्षण राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश,

बिहार व हरियाणा के लगभग सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में लगे हुए है और किसान भी इस किस्म को काफी पसंद कर रहे है। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा सरसों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व रोगों की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। साथ ही भविष्य में भी पूरी लगन व मेहनत से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

सरसों के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी : डॉ. एस.के. सहरावत

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस.के. सहरावत ने बताया कि वर्ष 1972-73 में राया व सरसों का उत्पादन 464 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर था जो वर्ष 2017-18 में बढ़कर 2018 किलोग्राम प्रति हेक्टयर पहुंच गया, ये सब विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उच्च कोटी की अधिक पैदावार देने वाली किस्मों की देन है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने अब तक राया व सरसों की 20 किस्मों को विकसित किया है, जिसमें 11 राज्य व 9 राष्ट्रीय स्तर की हैं। मनुष्य के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए तेल की महत्ता व गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए अनुभाग की ओर से संकर किस्मों को विकसित करने का कार्य प्रगति पर है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता व आनुवांशिकी एवं पौद्य प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. ए.के. छबड़ा ने बताया कि आरएच-725 बारानी व सिंचित क्षेत्र के लिए समय पर बिजाई के लिए उत्तम किस्म है। इसकी संभावित उपज 4.0 टन प्रति हेक्टेयर है। यह किस्म लोकप्रिय किस्म आरएच-30 का अच्छा विकल्प साबित हो रही है। राया व सरसों की पैदावार को ओर बढ़ाने के लिए तिलहन अनुभाग के वैज्ञानिक उन्नत किस्में व हाईब्रिड किस्मों को विकसित करने में निरंतर प्रयासरत है। विश्वविद्यालय द्वारा विकसित की जा रही हाईब्रिड किस्मों की संभावित उपज पहले से विकसित किस्मों से ज्यादा व कम समय में पककर तैयार होने वाली है, जोकि विश्वविद्यालय के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. रामअवतार ने तिलहन अनुभाग में चल रहे गुणवता वाले प्रजनन कार्यक्रम, हाईब्रिड विकास कार्यक्रम, जर्म प्लाज्म की गुणवत्ता को बनाए रखने के शोध कार्यों के बारे में विस्तार से बताया।

इस अवसर पर एडीआर डॉ. नीरज, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर, डॉ. एस.के. पहुजा, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. सुरेश, डॉ. सुरेन्द्र, डॉ. राकेश पुनिया, डॉ. विनोद गोयल, डॉ. नीरज, डॉ. श्वेता, डॉ. निशा, डॉ. नीता, डॉ. विवेक, डॉ. महावीर, डॉ. राजबीर सिंह, डॉ. रोहित, डॉ. मनजीत सहित अन्य अधिकारी व वैज्ञानिक मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सिटी पल्स न्यूज	**12.02.2021**	--	--

कुलपति ने तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का लिया जायजा

सिटी पल्स न्यूज़, हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक जल्द ही किसानों को सरसों की अधिक पैदावार देने वाली हाईब्रिड किस्मों की सौगात देने वाले हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय में लगातार शोध कार्य जारी हैं, जिनके लगातार सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के उपरांत व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इन प्रयोगों व शोध कार्यों से जो हाईब्रिड किस्म तैयार की जा रही है उससे भविष्य में किसानों को राया व सरसों की अधिक पैदावार के साथ-साथ आय में भी आशातीत वृद्धि होगी। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा सरसों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व रोगों की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। साथ ही भविष्य में भी पूरी लगन व मेहनत से कार्य करने के लिए प्रेरित किया।

हिसार। कृषि वैज्ञानिकों से बातचीत करते कुलपति प्रो. समर सिंह।

अनुसंधान निदेशक डॉ. एस. के. सहरावत ने बताया कि विश्वविद्यालय ने अब तक राया व सरसों की 20 किस्मों को विकसित किया है, जिसमें 11 राज्य व 9 राष्ट्रीय स्तर की हैं। मनुष्य के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए तेल की महत्ता व गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए अनुभाग की ओर से संकर किस्मों को विकसित करने का कार्य प्रगति पर है। दौरे के अवसर पर एडीआर डॉ. नीरज, डॉ. सतीश खोखर, डॉ. एस. के. पहुजा, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. सुरेश, डॉ. सुरेन्द्र, डॉ. राकेश पुनिया, डॉ. विनोद गोयल, डॉ. नीरज, डॉ. श्वेता, डॉ. निशा, डॉ. नीता, डॉ. विवेक, डॉ. महावीर, डॉ. राजबीर सिंह, डॉ. रोहित, डॉ. मनजीत सहित अन्य अधिकारी व वैज्ञानिक मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
नभ छोर	**12.02.2021**	--	--

हकृवि में जल्द उपलब्ध होगी सरसों की हाईब्रिड किस्में : कुलपति

हिसार/12 फरवरी/रिपोर्टर

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक जल्द ही किसानों को सरसों की अधिक पैदावार देने वाली हाईब्रिड किस्मों की सौगात देने वाले हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय में शोध कार्य जारी हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। ये विचार विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेने के उपरांत व्यक्त किए। उन्होंने कहा कि इन प्रयोगों व शोध कार्यों से जो हाईब्रिड किस्म तैयार की जा रही है उससे भविष्य में किसानों को राया व सरसों की अधिक पैदावार के साथ-साथ आय में भी आशातीत वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2018 में विकसित किस्म आरएच-725 की लोकप्रियता हरियाणा प्रदेश में ही नहीं बल्कि देश के दूसरे प्रदेशों में भी बढ़ रही है। इस किस्म के अग्रिम पंक्ति परीक्षण राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार व हरियाणा के लगभग सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में लगे हुए हैं और किसान भी इस किस्म को काफी पंसद कर रहे है। उन्होंने वैज्ञानिकों द्वारा सरसों में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने व रोगों की रोकथाम के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। साथ ही भविष्य में भी पूरी लगन व मेहनत से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि वर्ष 1972-73 में राया व सरसों का उत्पादन 464 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर था जो वर्ष 2017-18 में बढ़कर 2018 किलोग्राम प्रति हैक्टेयर पहुंच गया, ये सब विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उच्च कोटी की अधिक पैदावार देने वाली किस्मों की देन है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने अब तक राया व सरसों की 20 किस्मों को विकसित किया है, जिसमें 11 राज्य व 9 राष्ट्रीय स्तर की हैं। मनुष्य के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए तेल की महत्ता व गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए अनुभाग की ओर से संकर किस्मों को विकसित करने का कार्य प्रगति पर है। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता व आनुवांशिकी एवं पौद्य प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एके छाबड़ा ने बताया कि आरएच-725 बारानी व सिंचित क्षेत्र के लिए समय पर बिजाई के लिए उत्तम किस्म है। इसकी संभावित उपज 4.0 टन प्रति हैक्टेयर है। यह किस्म लोकप्रिय किस्म आरएच-30 का अच्छा विकल्प साबित हो रही है। तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. रामअवतार ने अनुभाग में चल रहे गुणवता वाले प्रजनन कार्यक्रम, हाईब्रिड विकास कार्यक्रम, जर्म प्लाज्म की गुणवत्ता को बनाए रखने के शोध कार्यों बारे बताया। इस अवसर पर एडीआर डॉ. नीरज, प्रोजेक्ट डायरेक्टर डॉ. सतीश खोखर, डॉ. एसके पहुजा, डॉ. योगेश जिंदल, डॉ. सुरेश, डॉ. सुरेन्द्र, डॉ. राकेश पुनिया, डॉ. विनोद गोयल, डॉ. श्वेता, डॉ. निशा, डॉ. नीता, डॉ. विवेक, डॉ. महावीर, डॉ. राजबीर सिंह, डॉ. रोहित, डॉ. मनजीत आदि मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जगमार्ग न्यूज	**13.02.2021**	--	--

जायजा एचएयू कुलपति ने विवि के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का लिया जायजा

किसानों को जल्द मिलेगी सरसों की हाईब्रिड किस्मों की सौगात : कुलपति

जगमार्ग न्यूज

हिसार। हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के वैज्ञानिक जल्द ही किसानों को सरसों की अधिक पैदावार देने वाली हाईब्रिड किस्मों की सौगात देने वाले हैं। इसके लिए विश्वविद्यालय में लगातार शोध कार्य जारी हैं, जिनके लगातार सकारात्मक परिणाम मिल रहे है।

यह बात विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह ने विश्वविद्यालय के तिलहन अनुभाग के अनुसंधान क्षेत्र में चल रहे प्रयोगों का जायजा लेते हुए कही। उन्होंने कहा कि इन प्रयोगों व शोध कार्यों से जो हाईब्रिड किस्म तैयार की जा रही है उससे भविष्य में किसानों को राया व सरसों की अधिक पैदावार के साथ-साथ आय में भी आशातीत वृद्धि होगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय द्वारा वर्ष 2018 में विकसित किस्म आरएच-725 की लोकप्रियता हरियाणा में ही नही बल्कि देश के दूसरे प्रदेशों में भी बढ़ रही है। इस किस्म के अग्रिम पंक्ति परीक्षण राजस्थान, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश, बिहार व हरियाणा के लगभग सभी कृषि विज्ञान केन्द्रों में लगे हुए है और किसान भी इस किस्म को काफी पंसद कर रहे है। साथ ही भविष्य में भी पूरी लगन व मेहनत से कार्य करने के लिए प्रेरित किया। कृषि महाविद्यालय के अधिष्ठाता व आनुवांशिकी एवं पौद्य प्रजनन विभाग के अध्यक्ष डॉ. एके छबड़ा ने बताया कि आरएच-725 बारानी व सिंचित क्षेत्र के लिए समय पर बिजाई के लिए उत्तम किस्म है। इसकी संभावित उपज 4.0 टन प्रति हेक्टेयर है। यह किस्म लोकप्रिय किस्म आरएच-30 का अच्छा विकल्प साबित हो रही है। तिलहन अनुभाग के अध्यक्ष डॉ. रामअवतार ने तिलहन अनुभाग में चल रहे गुणवत्ता वाले प्रजनन कार्यक्रम, हाईब्रिड विकास कार्यक्रम, जर्म प्लाज्म की गुणवत्ता को बनाए रखने के शोध कार्यों के बारे में विस्तार से बताया।

➪ आरएच-725 की लोकप्रियता देश के दूसरे प्रदेशों में भी बढ़ रही है

सरसों के उत्पादन में हुई बढ़ोतरी : डॉ. सहरावत

अनुसंधान निदेशक डॉ. एसके सहरावत ने बताया कि वर्ष 1972-73 में राया व सरसों का उत्पादन 464 किलोग्राम प्रति हेक्टेयर था जो वर्ष 2017-18 में बढ़कर 2018 किलोग्राम प्रति हेक्टयर पहुंच गया, ये सब विश्वविद्यालय द्वारा विकसित उच्च कोटी की अधिक पैदावार देने वाली किस्मों की देन है। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय ने अब तक राया व सरसों की 20 किस्मों को विकसित किया है, जिसमें 11 राज्य व 9 राष्ट्रीय स्तर की हैं। मनुष्य के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए तेल की महता व गुणवत्ता को बढ़ाने के लिए अनुभाग की ओर से संकर किस्मों को विकसित करने का कार्य प्रगति पर है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	**15.02.2021**	**04**	**04-06**

एचएयू के इंस्टीट्यूट ऑफ एग्रीप्रेन्योरशिप में एमबीए के साथ पीएचडी करने का भी मिलेगा अवसर

जागरण संवाददाता, हिसारः गुरुग्राम के दौलताबाद में बने चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप की आधार शिला रखी जा चुकी है। अभी तक इस इंस्टीट्यूट से एमबीए कोर्स संचालित करने की बात सामने आ रही थी मगर अब विवि प्रशासन पीएचडी व अन्य डिग्री कोर्स भी कराने की तैयारी कर रहा है। इसमें लगभग 50 शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारी कार्यरत होंगे। पूरे परिसर में शिक्षण संकाय, ऑडिटोरियम, पुस्तकालय, होस्टल एवं गेस्ट हाउस जैसी मूलभूत सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। इंस्टीट्यूट के परिसर की कुल लागत 100-125 करोड़ रुपये आने की उम्मीद है।

आइआइएम का लिया जाएगा सहयोग : एचएयू के कुलपति प्रो. समर सिंह ने बताया कि इंस्टीट्यूट को विश्वस्तरीय बनाने के लिए विभिन्न प्रसिद्ध विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से संयोजन जैसे नेशनल इंस्टीटयूट ऑफ एग्रीकल्चर मार्केटिंग (एनआइएएम), इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट (आइआइएम), आइआरएमएए, मैनेज इत्यादि संस्थानों से संयोजन किया जाएगा। इसके अतिरिक्त ऑन द जॉब ट्रेनिंग और अच्छी प्लेसमेंट के लिए देशी एवं विदेशी कंपनियों का सहयोग भी लिया जाएगा।

पांच विभाग होंगे शामिल, दाखिला प्रक्रिया शुरू

इस संस्थान के पांच विभाग एग्री बिजनेस मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट, रूरल मैनेजमेंट, कॉप्रेटिव मैनेजमेंट एवं एंटरप्रेन्योरशिप मैनेजमेंट होंगे। इसके साथ ही कृषि व्यवसाय से जुड़े पाठयक्रमों पर जोर दिया जाएगा। धीरे-धीरे इस इंस्टीट्यूट में स्नातक स्तर के एवं रोजगार परक डिप्लोमा भी शुरू किये जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों से आने वाले कम पढ़े-लिखे नौजवान युवक एवं युवतियों को भी यह इंस्टीट्यूट ट्रेनिंग प्रदान करेगा ताकि ये युवा भी अपने लिए रोजगार पैदा कर सकें। इस इंस्टीट्यूट को विश्वस्तरीय बनाने के लिए इसे देश एवं विदेश के अग्रणी विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से संयोजन करेंगे।

50 से अधिक शिक्षण संस्थानों से है कोलोबरेशन

हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का 50 से भी अधिक विश्वस्तरीय विश्वविद्यालयों एवं संस्थानों से संयोजन है एवं यहां 50 से अधिक देशों के 125 विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं । हमारे विश्वविद्यालय ने हिसार में ही नहीं बल्कि कौल एवं बावल में भी महाविद्यालय की स्थापना की है ताकि वहां के आसपास एवं पूरे प्रदेश के युवा उच्चस्तर की शिक्षा प्राप्त कर सकें। विश्वविद्यालय प्रदेश के लगभग हर जिले में कृषि विज्ञान केन्द्रों एवं क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्रों के माध्यम से किसानों की सेवा करता रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	13.02.2021	03	06-07

गुरुग्राम में एचएयू के एग्री बिजनेस मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट का आज सीएम करेंगे शिलान्यास

जागरण संवाददाता, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का गुरुग्राम स्थित एग्री बिजनेस मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट अब शुरू होने जा रहा है। शनिवार को सीएम मनोहर लाल खुद इस इंस्टीट्यूट का शिलान्यास करेंगे। इसके बाद इंस्टीट्यूट का निर्माण कार्य शुरू होगा। खास बात है कि यह इंस्टीट्यूट युवाओं को एग्रीकल्चर के क्षेत्र में प्रबंधन करने की जानकारी मुहैया कराएगा। जिससे आगे चलकर युवा खेती छोड़ने के स्थान पर इसका प्रबंधन कर दिल्ली और आसपास के राज्यों में अपनी जगह बनाएं। इस इंस्टीट्यूट का काम हालांकि हिसार कैंपस से ही शुरू कर दिया गया है। इस साल दाखिले भी विभिन्न कोर्स में लिए गए हैं। गौरतलब है कि गुरुग्राम में करीब सवा पांच एकड़ में यह इंस्टीट्यूट खड़ा किया जा रहा है। इसका मास्टर प्लान तैयार हो चुका है, निर्माण शुरू करने की तैयारी चल रही है।

एमबीए के लिए तीन डिपार्टमेंट शुरू : गुरुग्राम स्थित एग्री बिजनेस मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट के तहत एमबीए कोर्स शुरू कर दिए गए हैं। इसमें तीन डिपार्टमेंट में पढ़ाई शुरू की गई है। जिसमें एग्री बिजनेस मैनेजमेंट में एमबीए, रूरल मैनेजमेंट में एमबीए और बिजनेस मैनेजमेंट में एमबीए कराई जा रही है। प्रवेश परीक्षा के साथ इस कोर्स में दाखिला लिया गया है। एमबीए के प्रथम वर्ष में 44 विद्यार्थियों को प्रवेश मिला है। जो हिसार कैंपस में ही पढ़ाई करेंगे।

सात शिक्षकों पर जिम्मेदारी

एचएयू के हिसार कैंपस में कॉलेज ऑफ एग्रीकल्चर के तहत संचालित एमबीए और गुरुग्राम के एग्री बिजनेस मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट दोनों संस्थानों के लिए अभी 7 शिक्षक ही एचएयू के पास हैं। ऐसे में मौजूदा शिक्षकों के लिए दोनों कॉलेज में संचालित कोर्सों की जिम्मेदारी संभालनी काफी बड़ी चुनौती रहेगी। आगे चलकर जब गुरुग्राम में इन्फ्रास्ट्रक्चर तैयार हो जाएगा तो हो सकता है कि विवि प्रबंधन नई फैकल्टी तैनात करे।

> एग्री बिजनेस मैनेजमेंट इंस्टीट्यूट का आज शिलान्यास सीएम करेंगे। इस इंस्टीट्यूट के माध्यम से युवाओं को कृषि क्षेत्र में प्रबंधन सीखने का मौका मिलेगा। इंस्टीट्यूट के तहत कोर्स शुरू भी कर दिए गए हैं।
>
> **प्रो समर सिंह, कुलपति,** चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	14.02.2021	02	02-08

दौलताबाद में सीएम ने रखी कृषि संस्थान की आधारशिला

कहा- हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय कराएगा निर्माण, देश में भी इसके मुकाबले का संस्थान नहीं

अमर उजाला ब्यूरो

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने शनिवार को गांव दौलताबाद में इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एग्रीप्रेन्योरशिप संस्थान की आधारशिला रखी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार इस संस्थान का निर्माण कराएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संस्थान हरियाणा प्रदेश में तो अनूठा है ही, देश में भी इसके मुकाबले का संस्थान नहीं है। कहा कि इस संस्थान के माध्यम से लोगों को कृषि उत्पादों को बेचने और उनके प्रबंधन के पूरे अवसर मिलेंगे। वर्तमान में कृषि जोत भूमि छोटी होती जा रही है और ऐसे में हमें थोड़ी भूमि में नई तकनीक अपनाकर कृषि से ज्यादा लाभ अर्जित करने पर विचार करना होगा। कार्यक्रम में कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल भी मौजूद रहे। बादशाहपुर विधायक व हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज के चेयरमैन राकेश दौलताबाद ने कहा कि कृषि संस्थान से उत्तीर्ण होने वाले विद्यार्थियों

दौलताबाद में बनने वाले संस्थान का मॉडल देखते मुख्यमंत्री, कृषिमंत्री व अन्य।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली एनसीआर की करीब 4 करोड़ की आबादी की खाद्यान्न संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए किसानों को पैरी अर्बन एग्रीकल्चर अपनाने की जरूरत है। दौलताबाद में जिस संस्थान की आधारशिला रखी गई है उसमें पांच प्रकार के पाठ्यक्रम होंगे। इनमें एग्री बिजनेस मैनेजमेंट, रूरल मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप मैनेजमेंट और कॉपरेटिव मैनेजमेंट के कोर्स शामिल हैं।

संस्थान में 5 पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएंगे

लुवास संग योजनाओं पर चल रहा काम

मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विवि (लुवास) के साथ भी योजनाओं पर काम चल रहा है। करनाल में बागवानी विश्वविद्यालय की स्थापना हो रही है। सरकार का प्रयास है किसान को समय पर बीज व खाद दिलाने के लिए उसकी ट्रैकिंग की जाएगी। इस मौके दौलताबाद व आसपास के 12 गांवों के सरपंचों ने मुख्यमंत्री को पगड़ी भेंटकर सम्मानित किया।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक भास्कर	14.02.2021	03	05-06

दौलताबाद में बनेगा इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप

5 विभाग होंगे शामिल, करीब 125 करोड़ आएगी लागत

मुख्यमंत्री ने गुड़गांव में रखी संस्थान की आधारशिला

भास्कर न्यूज | हिसार

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के तहत गुड़गाव में बनने वाले इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप की शनिवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बतौर मुख्यातिथि आधारशिला रखी। कार्यक्रम का आयोजन एचएयू की ओर से दौलताबाद (गुड़गांव) में किया गया। इसमें कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल बतौर विशिष्ट अतिथि रहे। अध्यक्षता विधायक राकेश दौलताबाद ने की। इस अवसर पर सीएम ने कहा कि यह विश्वविद्यालय सदैव ही किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए अपना योगदान देता रहा है और प्रदेश के कृषि विकास एवं संवर्धन में इसका बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों को विकसित करने, नई-नई तकनीकें इजाद करने, फसलों संबंधी बीमारियों को दूर करने के लिए किसानों को सुझाव देने, विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम में रोजगारपरक विषयों को शुरू करने सहित अनेक ऐसे उत्कृष्ट कार्यों में अहम योगदान दिया है। यह पूरे प्रदेश के लिए हर्ष का विषय है कि दौलताबाद, गुरुग्राम की इस पावन धरती पर विश्वविद्यालय ने इंस्टीट्यूट ऑफ बिज़नेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप स्थापित करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज के बदलते युग में हरियाणा सरकार एवं केन्द्र सरकार किसान हित को सर्वोपरि रखते हुए उनकी खुशहाली एवं उन्नति के लिए विभिन्न योजनाएं लेकर आ रही हैं। प्रदेश के युवकों को यहां पर कृषि संबंधित व्यवसाय प्रबंधन में डिग्री एवं स्किल्ड डिवेलपमेंट के लिए विश्व स्तर की ट्रेनिंग प्रदान की जाएगी। इन रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों एवं ट्रेनिंग से एक तरफ तो प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक सवेरा	14.02.2021	02	02-03

कृषि उद्यमियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा बिजनेस इंस्टीट्यूट

गुरुग्राम (अमित नेहरा) : हिसार चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएस एचएयू) गुरुग्राम जिले के गांव दौलताबाद में इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप नामक संस्थान का निर्माण करेगा, इसकी आधारशिला शनिवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रखी। सीसीएस एचएयू हिसार द्वारा गांव दौलताबाद में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में उन्होंने कहा कि यह संस्थान हरियाणा प्रदेश में तो अनूठा है ही, देश में भी इसके मुकाबले का संस्थान नहीं है।

उन्होंने इस संस्थान के माध्यम से कृषि उत्पादों को बेचने और उनके प्रबंधन के पूरे अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में कृषि जोत छोटी होती जा रही है और ऐसे में हमें सोचना होगा कि किस प्रकार थोड़ी जोत भूमि में नई तकनीक अपनाकर या वैज्ञानिक तरीके से खेती करके तथा मार्केट की मांग के अनुसार कृषि उत्पादन करके ज्यादा लाभ अर्जित करना है। इस बारे में योजनाएं बनानी पड़ेगी और किसानों को भी फसलों में विविधिकरण अपनाना होगा। उन्होंने बताया कि जिस संस्थान की आधारशिला रखी गई है, उसमें पांच प्रकार के कोर्सिज होंगे। इनमें एग्री बिजनेस मैनेजमेंट, रूरल मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप मैनेजमेंट तथा कॉपरेटिव मैनेजमेंट के कोर्स शामिल हैं।

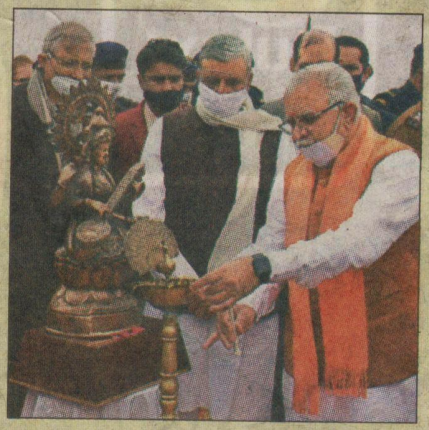

कार्यक्रम का शुभारंभ करते हुए मनोहर लाल।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
समस्त हरियाणा न्यूज	**14.02.2021**	--	--

कृषि उद्यमियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा इंस्टीट्यूट : मुख्यमंत्री

समस्त हरियाणा न्यूज

हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के तहत बनने वाले इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप की शनिवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल जी ने बतौर मुख्यातिथि आधारशिला रखी। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की और से दौलताबाद(गुरूग्राम) में किया गया जिसमें कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल जी विशिष्ट अतिथि थे। संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का यह संस्थान हरियाणा के किसानों एवं उद्यमियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय सदैव ही किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुये अपना योगदान देता रहा है। इनके अलावा बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलतबाद, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह, आईएएस, कुलपति प्रोफेसर समर सिंह , सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे।

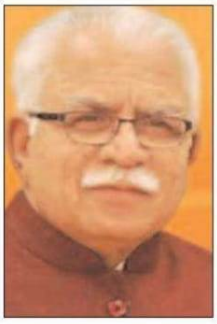

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पल पल न्यूज	**14.02.2021**	--	--

कृषि उद्यमियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा इंस्टीट्यूट: मनोहर लाल

पल पल न्यूज: हिसार,13 फरवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के तहत बनने वाले इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप की शनिवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने बतौर मुख्यातिथि आधारशिला रखी। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की ओर से दौलताबाद (गुरूग्राम) में किया गया जिसमें कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल विशिष्ट अतिथि थे। संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का यह संस्थान हरियाणा के किसानों एवं उद्यमियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय सदैव ही किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुये अपना योगदान देता रहा है और प्रदेश के कृषि विकास एवं संवधर्न में इसका बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व अधिकारियों की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों को विकसित करने, नई-नई तकनीकें ईजाद करने, फसलों संबंधी बीमारियों को दूर करने के लिए किसानों को सुझाव देने, विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम में रोजगारपरक विषयों को शुरू करने सहित अनेकों ऐसे उत्कृष्ट कार्यों में अहम योगदान दिया है।

पांच विभाग होंगे शामिल, दाखिला प्रक्रिया शुरू

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने कार्यक्रम में मुख्यमंत्री व अन्य अतिथियों का स्वागत करते हुए इस भवन की आधारशिला रखने व हौसला बढ़ाने के लिए धन्यवाद किया। उन्होंने बताया कि इस इंस्टीट्यूट में हम एम.बी.ए. एवं पी.एच.डी. की शुरूआत 2020-21 के सत्र से कर चुके हैं जिसकी कक्षाएं हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार में शुरू की जा चुकी हैं। इस संस्थान के पांच विभाग एग्री बिजनेस मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट, रूरल मैनेजमेंट, कॉप्रेटिव मैनेजमेंट एवं एंटरप्रेन्योरशिप मैनेजमेंट होंगे। इस इंस्टीट्यूट में कृषि व्यवसाय से संबंधित पाठ्यक्रम पढ़ाए जाएंगे एवं प्रदेश के युवाओं को कृषि व्यवसाय स्थापित करने में पारंगत किया जाएगा। कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह ने कहा कि वैश्विक व्यवस्था के बदलते स्वरूप में आज जहां एक ओर कृषि आधारित उत्पादों की आवश्यकता है वहीं दूसरी तरफ कृषि लागत करना एवं किसानों की आर्थिक स्थिति मजबूत करना हमारे लिए चुनौतियां प्रस्तुत कर रहे हैं। इस अवसर पर बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलतबाद, सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे।

यह पूरे प्रदेश के लिए हर्ष का विषय है कि दौलताबाद, गुरूग्राम की इस पावन धरती पर विश्वविद्यालय ने इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप स्थापित करने का निर्णय लिया है। कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि हरियाणा देश का अग्रिम कृषि प्रदेश है तथा भारत की खाद्य सुरक्षा में प्रदेश का बहुत बड़ा योगदान है। इसका श्रेय यहां के मेहनती किसानों, वैज्ञानिकों, अधिकारियों एवं कुशल नेतृत्व को जाता है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी गुड़गांव	**14.02.2021**	--	--

कृषि उद्यमियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा इंस्टीट्यूट : मुख्यमंत्री

- **दौलताबाद में बनेगा संस्थान, पांच विभाग होंगे शामिल,**
- **करीब 125 करोड़ रूपये की आएगी लागत**

इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप की आधारशिला रखने पहुंचे मुख्यमंत्री।

गुड़गांव, 13 फरवरी (ब्यूरो): चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएस एचएयू) हिसार गुरूग्राम जिला के गांव दौलताबाद में इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप नामक संस्थान का निर्माण करेगा जिसकी आधारशिला आज प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रखी।

सीसीएस एचएयू हिसार द्वारा गांव दौलताबाद में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संस्थान हरियाणा प्रदेश में तो अनूठा है ही, देश में भी इसके मुकाबले का संस्थान नही है। उन्होंने इस संस्थान के माध्यम से कृषि उत्पादों को बेचने और उनके प्रबंधन के पूरे अवसर मिलेंगे। वर्तमान में कृषि जोत छोटी होती जा रही है और ऐसे में हमें सोचना होगा कि किस प्रकार थोड़ी जोत भूमि में नई तकनीक अपनाकर या वैज्ञानिक तरीके से खेती करके तथा मार्किट की मांग के अनुसार कृषि उत्पादन करके ज्यादा लाभ अर्जित करना है। इस बारे में योजनाएं बनानी पड़ेगी और किसानों को भी फसलों में विविधिकरण अपनाना होगा। दिल्ली एनसीआर में लगभग 4 करोड़ आबादी रहती है और उसकी दिन प्रतिदिन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस क्षेत्र में पड़ने वाले हरियाणा प्रदेश के किसानों को पैरी अर्बन एग्रीकल्चर अपनाने की जरूरत है। इसका मतलब है कि दिल्ली एनसीआर की जरूरत को पूरा करने के लिए हम सब्जी, फल, फूल, दूध, मछली पालन, दुग्ध उत्पाद आदि के उत्पादन बढ़ाएं। श्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि सन 2022 तक किसान की आय दोगुनी हो और इस दिशा में हरियाणा सरकार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में किसान कल्याण प्राधिकरण बनाया गया है ताकि अलग-2 विभागों के माध्यम से लागू की जा रही कृषि संबंधी योजनाओं का पूरा लाभ किसानों को दिलवाया जाए। आज जिस संस्थान की आधारशिला रखी गई है उसमें पांच प्रकार के कोर्सिज होंगे। इनमें एग्री बिजनेस मैनेजमेंट, रूरल मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप मैनेजमेंट तथा कॉर्पोरेटिव मैनेजमेंट के कोर्स शामिल हैं। यहां से विधाएं सीखकर शिक्षित युवा रोजगार के ज्यादा अवसर प्राप्त करने के लिए योग्य बनेंगे। यही नही, यह संस्थान एक एक्सचेंज के रूप में भी काम करेगा जिसमें बड़े-बड़े संस्थानों का योग्य उम्मीदवारों के साथ तालमेल करवाया जाएगा। इस मौके दौलताबाद व आस पास के 12 गांवों के सरपंचों ने मुख्यमंत्री को पगड़ी भेंटकर सम्मानित किया। इससे पहले अपने विचार रखते हुए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों की भलाई के लिए जो काम कर रही है, देश में उसका कहीं कोई मुकाबला नही है, चाहे फसल खरीदने की बात हो या फसलों के उचित भाव देने की बात हो। हाल ही में राजस्थान में बाजरा 1200 रूपये क्विंटल के भाव पर बिक रहा था लेकिन हरियाणा में सरकार ने 2350 रूपये क्विंटल के भाव पर खरीदा। इसके लिए पहले की अपेक्षा दोगुने पारचेज सैंटर बनाए गए हैं। बादशाहपुर के विधायक एवं हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज के चेयरमैन राकेश दौलताबाद ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आज इस इलाके को इतनी बड़ी सौगात दी है कि यहां पर विश्वस्तरीय संस्थान बनेगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरियाणा वाटिका	**14.02.2021**	--	--

कृषि उद्यमियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा इंस्टीट्यूट : मुख्यमंत्री

एचएयू के इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप की प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी ने रखी आधारशिला

वाटिका@हिसार। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार के तहत बनने वाले इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप की शनिवार को प्रदेश के माननीय मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल जी ने बतौर मुख्यातिथि आधारशिला रखी। कार्यक्रम का आयोजन विश्वविद्यालय की और से दौलताबाद(गुरूग्राम) में किया गया जिसमें कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जयप्रकाश दलाल जी विशिष्ट अतिथि थे।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय का यह संस्थान हरियाणा के किसानों एवं उद्यमियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह विश्वविद्यालय सदैव ही किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुये अपना योगदान देता रहा है और प्रदेश के कृषि विकास एवं संवधर्न में इसका बहुत बड़ा योगदान है। उन्होंने विश्वविद्यालय के वैज्ञानिकों व अधिक ारियों की सराहना करते हुए कहा कि विभिन्न फसलों की उन्नत किस्मों को विकसित करने, नई-नई तकनीकें ईजाद करने, फसलों संबंधी बिमारियों को दूर करने के लिए किसानों को सुझाव देने, विश्वविद्यालय पाठ्यक्रम में रोजगारपर-क विषयों को शुरू करने सहित अनेकों ऐसे उत्कृष्ट कार्यों में अहम योगदान दिया है। मुख्यमंत्री जी ने कहा कि आज के बदलते युग में हरियाणा सरकार एवं केन्द्र सरकार किसान हित को सर्वोपरि रखते हुये उनकी खुशहाली एवं उन्नति के लिए विभिन्न योजनाएं लेकर आ रही है। माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 2022 तक किसानों की आय दोगुना करने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए हमें फसलों की और अधिक नई-नई किस्मों को विकसित करते हुए रोजगारोन्मुखी व्यवसायों के लिए भी अवसर प्रदान करना होगा। साथ ही ग्रामीण बेरोजगार युवकों के लिए र-ोजगार के अवसर उपलब्ध करवाते हुए उन्हें खुद का व्यवसाय स्थापित करने के लिए भी प्रेरित करना पड़ेगा। प्रदेश तभी तरक्की कर सकेगा जब उसका युवा नौकरी लेने के लिए नहीं बल्कि नौकरी देने की स्थिति में होगा। प्रदेश के युवकों को यहां पर कृषि संबंधित व्यवसाय प्रबंधन में डिग्री एवं स्किल्ड डेवेलपमेंट के लिए विश्व स्तर की ट्रेनिंग प्रदान की जायेगी। इन रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रमों एवं ट्रेनिंग से एक तरफ तो प्रदेश के युवाओं को रोजगार के अवसर प्राप्त होंगे वहीं दूसरी तरफ वो विभिन्न प्रकार के कृषि व्यवसाय स्थापित कर सकेंगे। मैं आशा करता हूं कि यहां से शिक्षा एवं तकनीकी ज्ञान प्राप्त कर प्रदेश के युवा पूरे भारतवर्ष के लिए मिसाल कायम करेंगे। इसके लिए मैं चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार के कुलपति एवं उनकी टीम को अपनी शुभकामनाएं देता हूं और आशा करता हूं कि यह इंस्टीट्यूट प्रदेश के विकास में अहम कड़ी साबित होगा। प्रदेश के माननीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री श्री जयप्रकाश दलाल ने कहा कि हरियाणा देश का अग्रिम कृषि प्रदेश है तथा भारत की खाद्य सुरक्षा में प्रदेश का बहुत बड़ा योगदान है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सत्यजय टाईम्स	**13.02.2021**	--	--

मुख्यमंत्री ने रखी बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप की आधारशिला

चंडीगढ़, 13 फरवरी, सत्यजय टाईम्स/ब्यूरो। हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरुग्राम जिला के गांव दौलताबाद में इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप नामक संस्थान की आधारशिला रखी। इस संस्थान का निर्माण चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय(सीसीएस एचएयू) हिसार द्वारा किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संस्थान हरियाणा प्रदेश में तो अनूठा होगा ही , देश में भी इसके मुकाबले का संस्थान नहीं है। इस संस्थान के माध्यम से कृषि उत्पादों को बेचने और उनके प्रबंधन के पूरे अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कृषि जोत छोटी होती जा रही है और ऐसे में हमें सोचना होगा कि किस प्रकार वैज्ञानिक तरीके से खेती करके तथा मार्किट की मांग के अनुसार ज्यादा लाभ अर्जित करना है।

मनोहर लाल ने कहा कि कहने का तात्पर्य है कि बीज से लेकर बाजार तक के लिए योजनाएं बनाई जा रही हैं। सरकार का प्रयास है कि हर किसान की ट्रेकिंग की जाए कि उसे समय पर बीज व खाद मिले और बाजार में ठीक भाव मिले ताकि प्रदेश का किसान खुशहाल

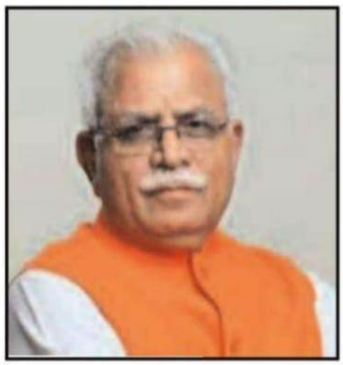

बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली एनसीआर की जरूरत को पूरा करने के लिए हम सब्जी, फल, फूल, दूध, मछली पालन, दुग्ध उत्पाद आदि के उत्पादन बढ़ाएं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि सन 2022 तक किसान की आय दोगुनी हो और इस दिशा में हरियाणा सरकार काम कर रही है।

उन्होंने बताया कि हरियाणा में किसान कल्याण प्राधिकरण बनाया गया है ताकि अलग-2 विभागों के माध्यम से लागू की जा रही कृषि संबंधी योजनाओं का पूरा लाभ किसानों को दिलवाया जाए। इस मौके दौलताबाद व आसपास के 12 गांवों के सरपंचों ने मुख्यमंत्री को पगड़ी भेंटकर सम्मानित किया।

शेष पेज 4 पर...

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
भास्कर गुड़गांव	**14.02.2021**	--	--

अगले 6 माह के अंदर शिफ्ट होगा खेड़कीदौला टोल प्लाजा, अब मानेसर निगम की होंगी वार्ड बंदी, फिर होंगे चुनावः मुख्यमंत्री

क्षेत्र के विकास में निगम आयुक्त का सहयोग करने के लिए 21 सदस्यों का एक एडवाइजरी बोर्ड बनाया जाएगा

भास्कर न्यूज | गुड़गांव

जिला में मानेसर के उद्यमियों के लिए परेशानी का सबब बना खेड़कीदौला टोल प्लाजा अगले 6 महीने के अंदर-अंदर शिफ्ट हो जाएगा। इसके लिए जमीन की पहचान की जा चुकी है। यह घोषणा शनिवार को हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने आईएमटी मानेसर स्थित एचएसआईआईडीसी ऑडिटोरियम में आयोजित कार्यक्रम में की। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि मानेसर क्षेत्र के 29 गांवों को शामिल करके मानेसर नगर निगम बनाया गया है। अब इस नगर निगम की वार्डबंदी होगी और फिर चुनाव होंगे। यह वर्तमान सरकार के इस कार्यकाल का पहला नगर निगम बनाया गया है और इसके चुनाव होने तक प्रशासनिक कार्य नगर निगम आयुक्त मुनीष शर्मा देखेंगे। क्षेत्र के विकास में निगम आयुक्त का सहयोग करने के लिए 21 सदस्यों का एक एडवाइजरी बोर्ड बनाया जाएगा। इसमें पटौदी तथा बादशाहपुर के दोनों विधायकों, गुरुग्राम ब्लॉक समिति के चेयरमैन, औद्योगिक एसोसिएशन के 2-3 सदस्यों, 2-3 सरपंचों आदि सहित क्षेत्र के प्रमुख व्यक्तियों को शामिल किया जा सकता है। मानेसर क्षेत्र के विकास के लिए जो भी नई मांग आएंगी या प्रोजेक्ट तैयार होंगे, उन सब में यह एडवाइजरी बोर्ड निगम आयुक्त का सहयोग करेगा।

अब होगा क्षेत्र में विकास

मुख्यमंत्री ने कहा कि नगर निगम मानेसर बनने के बाद अब इस क्षेत्र में सीवरेज, ड्रेनेज, स्ट्रीट लाइट, सड़कों, पार्क, ट्रैफिक व्यवस्था में सुधार, हॉर्टिकल्चर संबंधी कार्य, पेयजल व्यवस्था आदि के समुचित प्रबंध किए जाएंगे। सोलिड वेस्ट मैनेजमेंट अर्थात् कचरा प्रबंधन के लिए भी टैंडर होंगे। उन्होंने कहा कि हर प्रोपर्टी की आईडी बनेगी और प्रॉपर्टी आईडी के साथ उसकी कीमत भी जोड़ी जाएगी, जिसे कलेक्टर रेट कहते हैं।

नगर निगम गुड़गांव में एक हजार करोड़ रुपए विभिन्न बैंकों में है जमा

मुख्यमंत्री ने उपस्थित लोगों को विश्वास दिलाया कि मानेसर नगर निगम क्षेत्र में विकास के लिए धन की कमी नहीं आने दी जाएगी क्योंकि उन्हें इस इलाके पर भरोसा ज्यादा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम गुड़गांव में लगभग 1 हजार करोड़ रुपए की राशि विभिन्न बैंकों में जमा करवा रखी है। मानेसर क्षेत्र तो उस नगर निगम से ज्यादा समृद्ध है, यहां पर औद्योगिक इकाइयां और ऊंची अटालकाएं ज्यादा हैं। ऐसे में आप लोग अपने खर्चे से ज्यादा ही जमा कर पाएंगे।

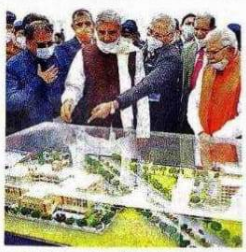

गुड़गांव. दौलताबाद में बनने वाले इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप के मॉडल का अवलोकन करते सीएम मनोहर लाल।

विकास योजना तैयार

मुख्यमंत्री ने कहा कि मानेसर क्षेत्र के 24 गांव तथा 9 ढाणियों के लिए 61 करोड़ की पेयजल आपूर्ति योजना मंजूर की जा चुकी है। इसके अलावा, 73 गांव तथा 17 ढाणियों में अगले एक साल में आवश्यकता अनुसार पानी उपलब्ध करवाया जाएगा। उन्होंने पेयजल के अलावा, बागवानी तथा औद्योगिक कार्यों में सिवरेज के शोधित पानी का प्रयोग करने पर बल दिया ताकि शुद्ध पेयजल पीने के लिए ही प्रयोग हो।

विधायक ने दिलाया विश्वास

इससे पहले अपने विचार रखते हुए पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता ने कहा कि सीएम से मानेसर के लिए नगर परिषद के लिए मांग की गई थी तो इन्होंने उससे बढ़कर नगर निगम बना दिया। विधायक ने विश्वास दिलाया कि मानेसर निगम देश का श्रेष्ठ निगम होगा। मानेसर क्षेत्र की कुछ मांगे भी सीएम के समक्ष रखी। क्षेत्र के सभी सरपंचों की तरफ से गांव सिकंदरपुर के सरपंच सुंदरलाल ने मानेसर निगम बनाने के लिए सीएम का धन्यवाद किया। इस अवसर पर सोहना के विधायक संजय सिंह, बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद, गुरुग्राम नगर निगम आयुक्त विनय प्रताप सिंह, मानेसर नगर निगम आयुक्त मनीष शर्मा, उपायुक्त डा. यश गर्ग, पुलिस आयुक्त केके राव उपस्थित थे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जागरण मानेसर	**14.02.2021**	--	--

उद्यमियों को बेहतर माहौल देने के लिए प्रतिबद्ध : मनोहर लाल

मानेसर को मेट्रो से जोड़ने की मुख्यमंत्री ने की घोषणा

जागरण संवाददाता, मानेसर: प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि उद्योगों की समस्याओं को दूर करने और उद्यमियों को बेहतर माहौल देने के लिए सरकार कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री शनिवार को आइएमटी मानेसर स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट आफ कारपोरेट अफेयर्स के आडोटोरियम में उद्यमियों से चर्चा करने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने उद्यमियों से सुझाव भी मांगे। कुछ उद्यमियों ने अपनी समस्याओं को उनके समक्ष रखा, जिनका मुख्यमंत्री ने मौके पर ही समाधान कराया। कार्यक्रम में उद्यमियों की तरफ एसोसिएशन के माध्यम से एजेंडा रखा गया जिसमें 28 मांगों को शामिल किया गया था।

आइएमटी मानेसर स्थित इंडियन इंस्टीट्यूट आफ कारपोरेट अफेयर्स के आडोटोरियम में उद्यमियों को संबोधित करते मुख्यमंत्री मनोहर लाल • जागरण

मुख्यमंत्री ने सभी मांगों पर उद्यमियों से चर्चा की और अधिकतर का मौके पर ही समाधान कराया। मानेसर में महिला पुलिस थाना के लिए जगह और भवन निर्माण करने की मांग पर मुख्यमंत्री ने कहा इसके लिए प्रपोजल भेजा जा चुका है। जल्द ही प्रपोजल मंजूर कर निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इसके अलावा सफाई, नालों की सफाई, स्ट्रीट लाइट ठीक करने की मांग पर नगर निगम मानेसर के आयुक्त को निर्देश दिए कि इस तरफ जल्द कार्य शुरू किया जाए। आइएमटी चौक पर बेहतर मुख्य द्वार बनाने की मांग पर उद्यमियों से कहा कि कोई भी उद्यमी मुख्य द्वार का नक्शा बनाकर उनके पास भेज सकता है। जिस भी उद्यमी या आर्किटेक्ट का नक्शा मंजूर होगा उसे एचएसआइआइडीसी की तरफ से 10 हजार रुपये का नकद इनाम दिया जाएगा।

इसके अलावा मेट्रो के लिए भी कहा कि जल्द ही औद्योगिक क्षेत्र को मेट्रो से जोड़ दिया जाएगा। इस तरफ कार्य किया जा रहा है। टेंडर प्रक्रिया जल्द ही शुरू की जाएगी। खेड़की दौला टोल प्लाजा छह महीने में हटा दिया जाएगा। इसके अलावा आइएमटी मानेसर सेक्टर 8 स्थित फायर कार्यालय में एक खिड़की शुरू की जाएगी जहां उद्यमी फायर एनओसी के लिए जरूरी दस्तावेज जमा कर सकेंगे। अब उद्यमियों को गुरुग्राम नहीं जाना पड़ेगा। इस दौरान पटौदी क्षेत्र के विधायक सत्यप्रकाश जरावता, सोहना ये विधायक संजय सिंह, जिला उपायुक्त यश गर्ग, आइएमटी इंडस्ट्रियल एसोसिएशन के अध्यक्ष पवन यादव, महासचिव मनोज त्यागी, मनोज यादव, देविंदर यादव, अनिल शर्मा, सतीश यादव, शशि यादव, सुनील पंवार, प्रवीण शर्मा, पंकज गुप्ता, देवेंद्र नेगी समेत काफी उद्यमी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
जागरण गुरूग्राम	**14.02.2021**	--	--

आंदोलन के नाम पर विपक्षी कर रहे राजनीति : मनोहर

गांव दौलताबाद में आइबीएमए के शिलान्यास समारोह में पहुंचे थे मुख्यमंत्री

जागरण संवाददाता, गुरुग्रामः मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि कृषि कानून विरोधी आंदोलन के नाम पर विपक्षी दल राजनीति कर रहे हैं। किसानों को बरगलाने का प्रयास कर रहे हैं। कांग्रेस जब सत्ता में थी तो वह कृषि कानूनों को लागू करना चाहती थी। सही मायने में इन कानूनों के ऊपर चर्चा कांग्रेस के कार्यकाल में ही शुरू हुई थी। प्रदेश और केंद्र सरकार किसान हितैषी है। हरियाणा में 17 लाख किसान हैं। सभी को ध्यान में रखकर योजना बनाई जाती है।

गांव दौलताबाद में शनिवार को चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से संबंधित इंस्टीट्यूट आफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एग्रीप्रेन्योरशिप (आइबीएमए) नामक संस्थान का शिलान्यास करने के बाद समारोह को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रदेश व केंद्र सरकार को किसानों की चिंता है। किसान कैसे मजबूत हों, इसके लिए प्रयासरत है। यदि किसी कानून या योजना में कमी दिखाई दे तो किसान भाई सरकार से संवाद करें। उन्होंने कहाकि एमएसपी थी, एमएसपी है और एमएसपी रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि वर्ष 2022 तक किसान की आय दोगुनी हो। इस दिशा में प्रदेश सरकार काम कर रही है। आइबीएमए के बारे में मुख्यमंत्री ने कहाकि यह संस्थान प्रदेश में तो अनूठा होगा ही, देश में भी इसके मुकाबले का संस्थान नहीं होगा। इसके माध्यम से कृषि उत्पादों को बेचने और उनके प्रबंधन के पूरे अवसर मिलेंगे। संस्थान में एग्री बिजनेस मैनेजमेंट, रूरल मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप मैनेजमेंट एवं कोआपरेटिव मैनेजमेंट के कोर्स होंगे।

गुरुग्राम के गाव दौलताबाद मे इंस्टीट्यूट आफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एग्रीप्रेन्योरशिप का शिलान्यास करने के बाद मुख्यमंत्री मनोहर लाल (मध्य में) को इंस्टीट्यूट की जानकारी देते कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जेपी दलाल (बाएं) साथ में हरियाणा कृषि उद्योग निगम के चेयरमैन राकेश दौलताबाद व हरियाणा कृषि विवि के कुलपति प्रो. समर सिंह • संजय गुलाटी

कृषि मंत्री जेपी दलाल ने कहा कि प्रदेश सरकार किसानों की भलाई के लिए काम कर रही है। राजस्थान में बाजरा 1200 रुपये क्विंटल के भाव पर बिक रहा था लेकिन हरियाणा में सरकार ने 2350 रुपये क्विंटल के भाव पर खरीदा। दोगुने परचेज सेंटर बनाए गए हैं। बादशाहपुर के विधायक व हरियाणा कृषि उद्योग निगम के चेयरमैन राकेश दौलताबाद ने संस्थान के लिए मुख्यमंत्री का धन्यवाद करते हुए कहा कि यहां से पास होने वाले विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत प्लेसमेंट होगी। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह, हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. समर सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़, पुलिस आयुक्त केके राव एवं उपायुक्त डा. यश गर्ग सहित कई विभागों के अधिकारी उपस्थित थे।

चंदाजीवी लोगों से सावधान रहें किसान : दलाल

- हरियाणा के कृषि मंत्री ने भी किया आश्वस्त एमएसपी-मंडियां जारी रहेंगी
- प्रदेश का बजट किसानों सहित सबके लिए खुशहाली लाने वाला होगा

जागरण संवाददाता, भिवानी: आंदोलनजीवी और चंदाजीवी लोगों से किसान सावधान रहें। लाल झंडों को इंगित करते हुए कहा चीन के इशारे पर देश में अव्यवस्था का प्रयास किया जा रहा है। कृषि कानूनों के विरोध में आंदोलनरत नेता जत्थेबंदियों से हरियाणा के हिस्से का पानी देने के लिए एसवाइएल के समर्थन में बयान तक दिलवा दें। हरियाणा को भी एसवाइएल (सतलुज यमुना लिंक नहर) का पानी चाहिए। भाजपा सरकार के तीनों कृषि कानून किसानों के हित में हैं और किसानों की आय दोगुना करने के लिए सरकार हर संभव प्रयास कर रही है।

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने देश का पहला डिजीटल बजट पेश किया है। वह किसानों की आय डबल करने में कारगर साबित होगा। बजट में उल्लेख है एमएसपी को किसी भी कीमत पर समाप्त नहीं किया जाएगा। केंद्रीय बजट में एक हजार नई मंडियां स्थापित करने की घोषणा की गई है। शनिवार को पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में कृषि एवं पशुपालन मंत्री जेपी दलाल ने पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। इस दौरान पुलिस का पूरी तरह से विश्रामगृह पहरा रहा।

दलाल कहाकि कुछ स्वयंभू किसान नेताओं द्वारा किसानों में मंडियों को समाप्त करने का भ्रम फैलाया जा रहा है। देश व प्रदेश का जागरूक किसान किसी के बहकावे में आने वाला नहीं है। पिछली सरकारों के मुकाबले निर्मला सीतारमण ने गेहूं, धान, दलहन व कपास खरीद के आकड़ों की तुलना करते हुए निर्मला सीतारमण ने विपक्ष को आईना दिखाने का काम किया है। हरियाणा प्रदेश का आने वाला बजट भी किसान सहित प्रत्येक वर्ग की खुशहाली के लिए होगा।

गन्नौर में स्थापित होगी देश की सबसे बड़ी मंडी

कृषि मंत्री ने कहा गन्नौर में विश्व स्तरीय व देश की सबसे बड़ी मंडी स्थापित की जा रही है। जो दो माह में शुरू हो जाएगी। इसी प्रकार से गुरुग्राम में फूलों की मंडी बनाई जाएगी, जो दिल्ली की मंडियों को भी मात देगी। आइआइटी और आइआइएम की तर्ज पर चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार द्वारा गुरुग्राम के बादशाहपुर में कृषि की मार्केटिंग के लिए एक सेंटर स्थापित किया जा रहा है। यहां से युवा किसान खेती की मार्केटिंग व प्रबंधन की डिग्री ले सकेंगे। इससे वे खेती में और रोजगार बढ़ा सकें। इसी प्रकार से प्रदेश में मछली पालन व मशरूम उत्पादन को बढ़ावा दिया जा रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पायनियर गुरूग्राम	**14.02.2021**	--	--

मुख्यमंत्री ने इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एग्रीप्रेन्योरशिप की रखी आधारशिला

कृषि उद्यमियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा बिजनेस इंस्टीट्यूट

पायनियर समाचार सेवा। चंडीगढ़/गुरुग्राम

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने गुरुग्राम जिला के गांव दौलताबाद में इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप नामक संस्थान की आधारशिला रखी। इस संस्थान का निर्माण चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएस एचएयू) हिसार द्वारा किया जाएगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संस्थान हरियाणा प्रदेश में तो अनूठा होगा ही, देश में भी इसके मुकाबले का संस्थान नहीं है। उन्होंने कहा कि कृषि उद्यमियों के लिए यह बिजनेस इंस्टीट्यूट मील का पत्थर साबित होगा। इस संस्थान के माध्यम से कृषि उत्पादों को बेचने और उनके प्रबंधन के पूरे अवसर मिलेंगे। उन्होंने कहा कि वर्तमान में कृषि जोत छोटी होती जा रही है और ऐसे में हमें सोचना होगा कि किस प्रकार वैज्ञानिक तरीके से खेती करके तथा मार्केट की मांग के अनुसार ज्यादा लाभ अर्जित करना है। मनोहर लाल ने कहा कि कहने का तात्पर्य है कि बीज से लेकर बाजार तक के लिए योजनाएं बनाई जा रही हैं। सरकार का प्रयास है कि हर किसान की ट्रेकिंग की जाए कि उसे समय पर बीज और खाद मिले और बाजार में ठीक भाव मिले ताकि प्रदेश का किसान खुशहाल बने। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली एनसीआर की जरूरत को पूरा करने के लिए हम सब्जी, फल, फूल, दूध, मछली पालन, दुग्ध उत्पाद आदि के उत्पादन बढ़ाएं। प्रधानमंत्री मोदी का संकल्प है कि सन 2022 तक किसान की आय दोगुनी हो और इस दिशा में हरियाणा सरकार काम कर रही है।

संस्थान में पांच तरह के कराएंगे कोर्स

सीएम ने बताया कि इस संस्थान में पांच प्रकार के कोर्सज होंगे। इनमें एग्री बिजनेस मैनेजमेंट, रूरल मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप मैनेजमेंट तथा कॉपरेटिव मैनेजमेंट के कोर्स शामिल हैं। यहां से विधाएं सीखकर शिक्षित युवा रोजगार के ज्यादा अवसर प्राप्त करने के लिए योग्य बनेंगे। यही नहीं, यह संस्थान एक एक्सचेंज के रूप में भी काम करेगा, जिसमें बड़े-बड़े संस्थानों का योग्य उम्मीदवारों के साथ तालमेल करवाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विवि (लुवास) के साथ भी योजनाओं पर काम चल रहा है। यही नहीं, करनाल में बागवानी विवि की स्थापना हो रही है, ताकि किसानों को बागवानी अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
पंजाब केसरी गुरूग्राम	**14.02.2021**	--	--

कृषि उद्यमियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा इंस्टीट्यूट : मनोहर

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 13 फरवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय(सीसीएस एचएयू) हिसार गुरूग्राम जिला के गांव दौलताबाद में इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप नामक संस्थान का निर्माण करेगा जिसकी आधारशिला आज प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने रखी।

सीसीएस एचएयू हिसार द्वारा गांव दौलताबाद में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संस्थान हरियाणा प्रदेश में तो अनूठा है ही , देश में भी इसके मुकाबले का संस्थान नही है। उन्होंने इस संस्थान के माध्यम से कृषि उत्पादों को बेचने और उनके प्रबंधन के पूरे अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में कृषि जोत छोटी होती जा रही है और ऐसे में हमें सोचना होगा कि किस प्रकार थोड़ी जोत भूमि में नई तकनीक अपनाकर या वैज्ञानिक तरीके से खेती करके तथा मार्किट की मांग के अनुसार कृषि उत्पादन करके ज्यादा लाभ अर्जित करना है। इस बारे में योजनाएं बनानी पड़ेगी और किसानों को भी फसलों में विविधिकरण अपनाना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली एनसीआर में लगभग 4 करोड़ आबादी रहती है और उसकी दिन प्रतिदिन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस क्षेत्र में पड़ने वाले हरियाणा प्रदेश के किसानों को पैरी अर्बन एग्रीकल्चर अपनाने की जरूरत है। इसका मतलब है कि दिल्ली एनसीआर की जरूरत को पूरा करने के लिए हम सब्जी , फल , फूल , दूध , मछली पालन , दुग्ध उत्पाद आदि के उत्पादन बढ़ाएं। श्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि सन 2022 तक किसान की आय दोगुनी हो और इस दिशा में हरियाणा सरकार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में किसान कल्याण प्राधिकरण बनाया गया है ताकि अलग-2 विभागों के माध्यम से लागू की जा रही कृषि संबंधी योजनाओं का पूरा लाभ किसानों को दिलवाया जाए। इस मौके दौलताबाद व आस पास के 12 गांवो के सरपंचो ने मुख्यमंत्री को पगड़ी भेंटकर सम्मानित किया।

इससे पहले अपने विचार रखते हुए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे पी दलाल ने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों की भलाई के लिए जो काम कर रही है, देश में उसका कहीं कोई मुकाबला नही हैं , चाहे फसल खरीदने की बात हो या फसलों के उचित भाव देने की बात हो। उन्होंने स्मरण करवाया कि हाल ही में राजस्थान में बाजरा 1200 रूप्ये क्विंटल के भाव पर बिक रहा था लेकिन हरियाणा में सरकार ने 2350 रूप्ये क्विंटल के भाव पर खरीदा। इसके लिए पहले की अपेक्षा दोगुने परचेज सैंटर बनाए गए हैं। श्री दलाल ने यह भी कहा कि अभी भी कपास और सरसों का भाव टूटा नही है। श्री दलाल ने यह भी कहा कि हमारी भावुक कौम हैं , हम पहले करते हैं फिर सोचते हैं। उन्होंने कहा कि हमे विवेक से काम लेना चाहिए।

इस मौके पर बादशाहपुर के विधायक एवं हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज के चेयरमैन राकेश दौलताबाद ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आज इस इलाके को इतनी बड़ी सौगात दी है कि यहां पर विश्वस्तरीय संस्थान बनेगा । उन्होंने कहा कि यहां से पास होने वाले विद्यार्थियो की शत प्रतिशत प्लेसमेंट होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने ही कृषि से जुड़ी आबादी के कल्याण के बारे में सोचते हुए यह कदम उठाया है।

कृषि विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेन्द्र सिंह ने कहा कि आज शब्दकोश में एग्री प्रेन्योरशिप एक नया शब्द जुड़ गया है जोकि एग्री बिजनेस और एंटरप्रेन्योरशिप से मिलकर बना है। उन्होंने भी कहा कि हरियाणा सरकार रबी और खरीफ की 9 फसलें एमएसपी पर खरीद रही हैं। उन्होंने बताया कि आज के आधुनिक समय में एग्री बिजनेस की आवश्यकता है जिसको बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में 486 फार्मर प्रोड्यूस ऑर्गेनाइजेशन(एफपीओ)बनाए गए हैं। यही नहीं, हाल ही में बनाए गए एग्री इंफ्रा फंड के तहत किसानों ने लगभग 200 करोड़ रूप्ये के प्रौजेक्ट तैयार करके जमा करवाएं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि माइक्रो इरीगेशन की स्कीम पहले ट्यूबवैल के लिए थी लेकिन अब नहरी पानी के लिए भी स्कीम बनाई गई है जिसमें 85 प्रतिशत सबसिडी उपकरणों पर तथा होदी आदि बनाने के लिए 100 प्रतिशत पर सबसिडी दी जाती है। इसके लिए पोर्टल खोल दिया गया है जिसमें दक्षिण हरियाणा के किसानों का अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि हमारे प्रोग्रेसिव फार्मर एक एकड़ में 5 से 6 लाख रूप्ये की आमदनी ले रहे हैं। श्री सिंह ने कहा कि इस संस्थान में युवाओं को एग्री बिजनेस की प्रैक्टिल ट्रेनिंग दी जाएगी और प्रोग्रेसिव फार्मर अपनी बैस्ट प्रैक्टीसिज को यहां विद्यार्थियों के साथ शेयर करेंगे।

इस अवसर पर कृषि मंत्री जे पी दलाल , बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह, कुलपति प्रोफेसर समर सिंह , भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़, पुलिस आयुक्त के के राव, उपायुक्त डा. यश गर्ग, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्रशासक जितेन्द्र यादव सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
ज्योति दर्पण गुरूग्राम	**14.02.2021**	--	--

कृषि उद्यमियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा इंस्टीट्यूट - मुख्यमंत्री

गुरूग्राम, 13 फरवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय(सीसीएस एचएयू) हिसार गुरुग्राम जिला के गांव दौलताबाद में इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप नामक संस्थान का निर्माण करेगा जिसकी आधारशिला आज प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने रखी। सीसीएस एचएयू हिसार द्वारा गांव दौलताबाद में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संस्थान हरियाणा प्रदेश में तो अनूठा है ही , देश में भी इसके मुकाबले का संस्थान नही है। उन्होंने इस संस्थान के माध्यम से कृषि उत्पादों को बेचने और उनके प्रबंधन के पूरे अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में कृषि जोत छोटी होती जा रही है और ऐसे में हमें सोचना होगा कि किस प्रकार थोड़ी जोत भूमि में नई तकनीक अपनाकर या वैज्ञानिक तरीके से खेती करके हम मार्केट की मांग के अनुसार कृषि उत्पाद करके ज्यादा लाभ अर्जित कर सके। इस बारे में योजनाएं बनानी पड़ेगी और किसानों को भी फसलों में विविधिकरण अपनाना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली एनसीआर में लगभग 4 करोड़ आबादी रहती है और उसकी दिन प्रतिदिन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस क्षेत्र में पड़ने वाले हरियाणा प्रदेश के किसानों को पैरी अर्बन एग्रीकल्चर अपनाने की जरूरत है। इसका मतलब है कि दिल्ली एनसीआर की जरूरत को पूरा करने के लिए हम सब्जी , फल , फूल , दूध , मछली पालन , दुग्ध उत्पाद आदि के उत्पादन बढ़ाएं। श्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि सन 2022 तक किसान की आय दोगुनी हो और इस दिशा में हरियाणा सरकार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में किसान कल्याण प्राधिकरण बनाया गया है ताकि अलग-2 विभागों के माध्यम से लागू की जा रही कृषि संबंधी योजनाओं का पूरा लाभ किसानों को दिलवाया जाए। उन्होंने बताया कि आज जिस संस्थान की आधारशिला रखी गई है उसमें पांच प्रकार के कोर्सिज होंगे। इनमें एग्री बिजनेस मैनेजमेंट , रूरल मैनेजमेंट , बिजनेस मैनेजमेंट , एंटरप्रेन्योरशिप मैनेजमेंट तथा कॉर्पोरेट मैनेजमेंट के कोर्स शामिल है। यहां से विधार्थी सीखकर शिक्षित युवा रोजगार के ज्यादा अवसर प्राप्त करने के लिए योग्य बनेंगे। यही नही, यह संस्थान एक एक्सचेंज के रूप में भी काम करेगा जिसमें बड़े-बड़े संस्थानों का योग्य उम्मीदवारों के साथ तालमेल करवाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के साथ भी योजनाओं पर काम चल रहा है। यही नही, करनाल में बागवानी विश्वविद्यालय की स्थापना हो रही है ताकि किसानों को बागवानी अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जोत भूमि छोटी होने के साथ अब खेती में वर्टिकल खेती अर्थात् जमीन से ऊपर उचाई की तरफ खेती के प्रयोग भी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि लगभग 15 हजार एकड़ में वर्टिकल खेती के प्रयोग किए जा रहे हैं। श्री मनोहर लाल ने कहा कि कहने का तात्पर्य है कि बीज से लेकर बाजार तक के लिए योजनाएं बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि हर किसान की ट्रेकिंग की जाए कि उसे समय पर बीज व खाद मिले और बाजार में ठीक भाव मिले ताकि प्रदेश का किसान खुशहाल बने। इस मौके दौलताबाद व आस पास के 12 गांवो के सरपंचो ने मुख्यमंत्री को पगड़ी भेंटकर सम्मानित किया। इससे पहले अपने विचार रखते हुए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे पी दलाल ने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों की भलाई के लिए जो काम कर रही है, देश में उसका कहीं कोई मुकाबला नही है , चाहे फसल खरीदने की बात हो या फसलों के उचित भाव देने की बात हो। उन्होंने स्मरण करवाया कि हाल ही में राजस्थान में बाजरा 1200 रूप्ये क्विंटल के भाव पर बिक रहा था लेकिन हरियाणा में सरकार ने 2350 रूप्ये क्विंटल के भाव पर खरीदा। इसके लिए पहले की अपेक्षा दोगुने परचेज सैंटर बनाए गए हैं। श्री दलाल ने यह भी कहा कि अभी भी कपास और सरसों का भाव टूटा नही है। श्री दलाल ने यह भी कहा कि हमारी भावुक कौम है , हम पहले करते हैं फिर सोचते हैं। उन्होंने कहा कि हमे विवेक से काम लेना चाहिए। इस मौके पर बादशाहपुर के विधायक एवं हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज के चेयरमैन राकेश दौलताबाद ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आज इस इलाके को इतनी बड़ी सौगात दी है कि यहां पर विश्वस्तरीय संस्थान बनेगा । उन्होंने कहा कि यहां से पास होने वाले विद्यार्थियो की शत प्रतिशत प्लेसमेंट होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने ही कृषि से जुड़ी आबादी के कल्याण के बारे में सोचते हुए यह कदम उठाया है। कृषि विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेन्द्र सिंह ने कहा कि आज शब्दकोश में एग्री प्रेन्योरशिप एक नया शब्द जुड़ गया है जोकि एग्री बिजनेस और एंटरप्रेन्योरशिप से मिलकर बना है। उन्होने भी कहा कि हरियाणा सरकार रबी और खरीफ की 9 फसलें एमएसपी पर खरीद रही है। उन्होंने बताया कि आज के आधुनिक समय में एग्री बिजनेस की आवश्यकता है जिसको बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में 486 फॉर्मर प्रोड्यूस ऑर्गेनाइजेशन (एफपीओ)बनाए गए हैं। यही नहीं, हाल ही में बनाए गए एग्री इंफ्रा फंड के तहत किसानों ने लगभग 200 करोड़ रूप्ये के प्रौजेक्ट तैयार करके जमा करवाएं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि माइक्रो इरीगेशन की स्कीम पहले ट्यूबवैल के लिए थी लेकिन अब नही पाने के लिए भी स्कीम बनाई गई है जिसमें 85 प्रतिशत सब्सिडी उपकरणों पर तथा होदी आदि बनाने के लिए 100 प्रतिशत पर सब्सिडी दी जाती है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर भारती गुरूग्राम	**14.02.2021**	--	--

'कृषि उद्यमियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा इंस्टीट्यूट'

सीसीएस एचएयू के इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप की मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रखी आधारशिला

अमर भारती/शैलेष गुप्ता

गुरूग्राम, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय(सीसीएस एचएयू) हिसार गुरूग्राम जिला के गांव दौलताबाद में इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप नामक संस्थान का निर्माण करेगा जिसकी आधारशिला आज प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने रखी। सीसीएस एचएयू हिसार द्वारा गांव दौलताबाद में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संस्थान हरियाणा प्रदेश में तो अनूठा है ही , देश में भी इसके मुकाबले का संस्थान नही है। उन्होंने इस संस्थान के माध्यम से कृषि उत्पादों को बेचने और उनके प्रबंधन के पूरे अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में कृषि जोत छोटी होती जा रही है और ऐसे में हमें सोचना होगा कि किस प्रकार थोड़ी जोत भूमि में नई तकनीक अपनाकर या वैज्ञानिक तरीके से खेती करके तथा मार्किट की मांग के अनुसार कृषि उत्पादन करके ज्यादा लाभ अर्जित करना है। इस बारे में योजनाएं बनानी पड़ेगी और किसानों को भी फसलों में विविधिकरण अपनाना होगा। उन्होंने बताया कि हरियाणा में

किसान कल्याण प्राधिकरण बनाया गया है ताकि अलग-2 विभागों के माध्यम से लागू की जा रही कृषि संबंधी योजनाओं का पूरा लाभ किसानों को दिलवाया जाए। उन्होंने बताया कि आज जिस संस्थान की आधारशिला रखी गई है उसमें पांच प्रकार के कोर्सिज होंगे। इनमें एग्री बिजनेस मैनेजमेंट , रूरल मैनेजमेंट , बिजनेस मैनेजमेंट , एंटरप्रेन्योरशिप मैनेजमेंट तथा कॉपरेटिव मैनेजमेंट के कोर्स शामिल हैं। यहां से विधाएं सीखकर शिक्षित युवा रोजगार के ज्यादा अवसर प्राप्त करने के लिए योग्य बनेंगे। यही नही, यह संस्थात एक एक्सचेंज के रूप में भी काम करेगा जिसमें बड़े-बड़े संस्थानों का योग्य उम्मीदवारों के साथ तालमेल करवाया जाएगा। इस मौके पर बादशाहपुर के विधायक एवं हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज के चेयरमैन राकेश दौलताबाद ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आज इस इलाके को इतनी बड़ी सौगात दी है कि यहां पर विश्वस्तरीय संस्थान बनेगा। उन्होंने कहा कि यहां से पास होने वाले विद्यार्थियो की शत प्रतिशत प्लेसमेंट होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री ने ही कृषि से जुड़ी आबादी के कल्याण के बारे में सोचते हुए यह कदम उठाया है। कृषि विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेन्द्र सिंह ने कहा कि आज शब्दकोश में एग्री प्रेन्योरशिप एक नया शब्द जुड़ गया है जोकि एग्री बिजनेस और एंटरप्रेन्योरशिप से मिलकर बना है।

उन्होंने भी कहा कि हरियाणा सरकार रबी और खरीफ की 9 फसलें एमएसपी पर खरीद रही हैं। उन्होंने बताया कि आज के आधुनिक समय में एग्री बिजनेस की आवश्यकता है जिसको बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में 486 फार्मर प्रोड्यूसे ऑग्रेनाइजेशन(एफपीओ)बनाए गए हैं। यही नहीं, हाल ही में बनाए गए एग्री इंफ्रा फंड के तहत किसानों ने लगभग 200 करोड़ रूप्ये के प्रौजेक्ट तैयार करके जमा करवाएं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि माइक्रो इरीगेशन की स्कीम पहले ट्यूबवैल के लिए थी लेकिन अब नहरी पानी के लिए भी स्कीम बनाई गई है जिसमें 85 प्रतिशत सब्सिडी उपकरणों पर तथा होदी आदि बनाने के लिए 100 प्रतिशत पर सब्सिडी दी जाती है। इसके लिए पोर्टल खोल दिया गया है जिसमें दक्षिण हरियाणा के किसानों का अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि हमारे प्रोग्रेसिव फार्मर एक एकड़ में 5 से 6 लाख रूप्ये की आमदनी ले रहे हैं। श्री सिंह ने कहा कि इस संस्थान में युवाओं को एग्री बिजनेस की प्रैक्टिल ट्रेनिंग दी जाएगी और प्रोग्रेसिव फार्मर अपनी बैस्ट प्रैक्टीसिज को यहां विद्यार्थियों के साथ शेयर करेंगे।

इस अवसर पर कृषि मंत्री जे पी दलाल , बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह, कुलपति प्रोफेसर समर सिंह , भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़, पुलिस आयुक्त के के राव, उपायुक्त डा. यश गर्ग, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्रशासक जितेन्द्र यादव सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
गुड़गांव मेल	**14.02.2021**	--	--

गुड़गांव। रविवार, 14 फरवरी 2021

कृषि उद्यमियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा इंस्टीट्यूट : मनोहर

ब्यूरो/गुड़गांव मेल

गुड़गांव, 13 फरवरी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय(सीसीएस एचएयू) हिसार गुरूग्राम जिला के गांव दौलताबाद में इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप नामक संस्थान का निर्माण करेगा जिसकी आधारशिला आज प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने रखी।

सीसीएस एचएयू हिसार द्वारा गांव दौलताबाद में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संस्थान हरियाणा प्रदेश में तो अनूठा है ही, देश में भी इसके मुकाबले का संस्थान नही है। उन्होंने इस संस्थान के माध्यम से कृषि उत्पादों को बेचने और उनके प्रबंधन के पूरे अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में कृषि जोत छोटी होती जा रही है और ऐसे में हमें सोचना होगा कि किस प्रकार थोड़ी जोत भूमि में नई तकनीक अपनाकर या वैज्ञानिक तरीके से खेती करके तथा मार्किट की मांग के अनुसार कृषि उत्पादन करके ज्यादा लाभ अर्जित करना है। इस बारे में योजनाएं बनानी पड़ेगी और किसानों को भी फसलों में विविधिकरण अपनाना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली एनसीआर में लगभग 4 करोड़ आबादी रहती है और उसकी दिन प्रतिदिन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस क्षेत्र में पड़ने वाले हरियाणा प्रदेश के किसानों को पैरी अर्बन एग्रीकल्चर अपनाने की जरूरत है। इसका मतलब है कि दिल्ली एनसीआर की जरूरत को पूरा करने के लिए हम सब्जी, फल, फूल, दूध, मछली पालन, दुग्ध उत्पाद आदि के उत्पादन बढ़ाएं। श्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि सन 2022 तक किसान की आय दोगुनी हो और इस दिशा में हरियाणा सरकार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में किसान कल्याण प्राधिकरण बनाया गया है ताकि अलग-2 विभागों के माध्यम से लागू की जा रही कृषि संबंधी योजनाओं का पूरा लाभ किसानों को दिलवाया जाए। इस मौके दौलताबाद व आस पास के 12 गांवो के सरपंचो ने मुख्यमंत्री को पगड़ी भेंटकर सम्मानित किया।

इससे पहले अपने विचार रखते हुए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे पी दलाल ने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों की भलाई के लिए जो काम कर रही है, देश में उसका कहीं कोई मुकाबला नही है, चाहे फसल खरीदने की बात हो या फसलों के उचित भाव देने की बात हो। उन्होंने स्मरण करवाया कि हाल ही में राजस्थान में बाजरा 1200 रूप्ये क्विंटल के भाव पर बिक रहा था लेकिन हरियाणा में सरकार ने 2350 रूप्ये क्विंटल के भाव पर खरीदा। इसके लिए पहले की अपेक्षा दोगुने परचेज सैंटर बनाए गए हैं। श्री दलाल ने यह भी कहा कि अभी भी कपास और सरसों का भाव टूटा नही है। श्री दलाल ने यह भी कहा कि हमारी भावुक कौम हैं, हम पहले करते हैं फिर सोचते हैं। उन्होंने कहा कि हमे विवेक से काम लेना चाहिए।

इस मौके पर बादशाहपुर के विधायक एवं हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज के चेयरमैन राकेश दौलताबाद ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आज इस इलाके को इतनी बड़ी सौगात दी है कि यहां पर विश्वस्तरीय संस्थान बनेगा। उन्होंने कहा कि यहां से पास होने वाले विद्यार्थियो की शत प्रतिशत प्लेसमेंट होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने ही कृषि से जुड़ी आबादी के कल्याण के बारे में सोचते हुए यह कदम उठाया है।

कृषि विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेन्द्र सिंह ने कहा कि आज शब्दकोश में एग्री प्रेन्योरशिप एक नया शब्द जुड़ गया है जोकि एग्री बिजनेस और एंटरप्रेन्योरशिप से मिलकर बना है। उन्होंने भी कहा कि हरियाणा सरकार रबी और खरीफ की 9 फसलें एमएसपी पर खरीद रही हैं। उन्होंने बताया कि आज के आधुनिक समय में एग्री बिजनेस की आवश्यकता है जिसको बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में 486 फार्मर प्रोड्यूस ऑर्गेनाइजेशन(एफपीओ)बनाए गए हैं। यही नहीं, हाल ही में बनाए गए एग्री इंफ्रा फंड के तहत किसानों ने लगभग 200 करोड़ रूप्ये के प्रौजेक्ट तैयार करके जमा करवाएं हैं। उन्होंने यह भी बताया कि माइक्रो इरीगेशन की स्कीम पहले ट्यूबवैल के लिए थी लेकिन अब नहरी पानी के लिए भी स्कीम बनाई गई है जिसमें 85 प्रतिशत सबसिडी उपकरणों पर तथा होदी आदि बनाने के लिए 100 प्रतिशत पर सबसिडी दी जाती है। इसके लिए पोर्टल खोल दिया गया है जिसमें दक्षिण हरियाणा के किसानों का अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि हमारे प्रोग्रेसिव फार्मर एक एकड़ में 5 से 6 लाख रूप्ये की आमदनी ले रहे हैं। श्री सिंह ने कहा कि इस संस्थान में युवाओं को एग्री बिजनेस की प्रैक्टिल ट्रेनिंग दी जाएगी और प्रोग्रेसिव फार्मर अपनी बैस्ट प्रैक्टीसिज को यहां विद्यार्थियों के साथ शेयर करेंगे।

इस अवसर पर कृषि मंत्री जे पी दलाल, बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह, कुलपति प्रोफेसर समर सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़, पुलिस आयुक्त के के राव, उपायुक्त डा. यश गर्ग, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्रशासक जितेन्द्र यादव सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार

लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हयूमन इंडिया गुरूग्राम	**14.02.2021**	--	--

कृषि उद्यमियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा इंस्टीट्यूट : मुख्यमंत्री

- सीसीएस एचएयू के इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप की प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रखी आधारशिला.
- दौलताबाद (गुरूग्राम) में बनेगा संस्थान, पांच विभाग होंगे शामिल, करीब 125 करोड़ रूपये की आएगी लागत

ह्यूमन इंडिया/उमेश गर्ग

गुरुग्राम। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएस एचएयू) हिसार गुरूग्राम जिला के गांव दौलताबाद में इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप नामक संस्थान का निर्माण करेगा जिसकी आधारशिला आज प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने रखी। सीसीएस एचएयू हिसार द्वारा गांव दौलताबाद में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संस्थान हरियाणा प्रदेश में तो अनूठा है ही, देश में भी इसके मुकाबले का संस्थान नहीं है। उन्होंने इस संस्थान के माध्यम से कृषि उत्पादों को बेचने और उनके प्रबंधन के पूरे अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में कृषि जोत छोटी होती जा रही है और ऐसे में हमें सोचना होगा कि किस प्रकार थोड़ी जोत भूमि में नई तकनीक अपनाकर या वैज्ञानिक तरीके से खेती करके तथा मार्किट की मांग के अनुसार कृषि उत्पादन करके ज्यादा लाभ अर्जित करना है। इस बारे में योजनाएं बनानी पड़ेंगी और किसानों को भी फसलों में विविधिकरण अपनाना होगा।

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली एनसीआर में लगभग 4 करोड़ आबादी रहती है और उसकी दिन प्रतिदिन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस क्षेत्र में पड़ने वाले हरियाणा प्रदेश के किसानों को पैरी अर्बन एग्रीकल्चर अपनाने की जरूरत है। इसका मतलब है कि दिल्ली एनसीआर की जरूरत को पूरा करने के लिए हम सब्जी, फल, फूल, दूध, मछली पालन, दुग्ध उत्पाद आदि के उत्पादन बढ़ाएं। श्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का संकल्प है कि सन 2022 तक किसान की आय दोगुनी हो और इस दिशा में हरियाणा सरकार काम कर रही है। उन्होंने बताया कि हरियाणा में किसान कल्याण प्राधिकरण बनाया गया है ताकि अलग-2 विभागों के माध्यम से लागू की जा रही कृषि संबंधी योजनाओं का पूरा लाभ किसानों को दिलवाया जाए। उन्होंने बताया कि आज जिस संस्थान की आधारशिला रखी गई है उसमें पांच प्रकार के कोर्सिज होंगे। इनमें एग्री बिजनेस मैनेजमेंट, रूरल मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप मैनेजमेंट तथा कॉपरेटिव मैनेजमेंट के कोर्स शामिल हैं। यहां से विधाएं सीखकर शिक्षित युवा रोजगार के ज्यादा अवसर प्राप्त करने के लिए योग्य बनेंगे। यही नहीं, यह संस्थान एक एक्सचेंज के रूप में भी काम करेगा जिसमें बड़े-बड़े संस्थानों का योग्य उम्मीदवारों के साथ तालमेल करवाया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के साथ भी योजनाओं पर काम चल रहा है। यही नहीं, करनाल में बागवानी विश्वविद्यालय की स्थापना हो रही है ताकि किसानों को बागवानी अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि जोत भूमि छोटी होने के साथ अब खेती में वर्टिकल खेती अर्थात जमीन से ऊपर उंचाई की तरफ खेती के प्रयोग भी किए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि लगभग 15 हजार एकड़ में वर्टिकल खेती के प्रयोग किए जा रहे हैं। श्री मनोहर लाल ने कहा कि कहने का तात्पर्य है कि बीज से लेकर बाजार तक के लिए योजनाएं बनाई जा रही हैं। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है कि हर किसान की ट्रैकिंग की जाए कि उसे समय पर बीज व खाद मिले और बाजार में ठीक भाव मिले ताकि प्रदेश का किसान खुशहाल बने। इस मौके दौलताबाद व आस पास के 12 गांवों के सरपंचो ने मुख्यमंत्री को पगड़ी भेंटकर सम्मानित किया। इससे पहले अपने विचार रखते हुए कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री जे पी दलाल ने कहा कि हरियाणा सरकार किसानों की भलाई के लिए जो काम कर रही है, देश में उसका कहीं कोई मुकाबला नहीं है, चाहे फसल खरीदने की बात हो या फसलों के उचित भाव देने की बात हो। उन्होंने स्मरण करवाया कि हाल ही में राजस्थान में बाजरा 1200 रूपये क्विंटल के भाव पर बिक रहा था लेकिन हरियाणा में सरकार ने 2350 रूपये क्विंटल के भाव पर खरीदा। इसके लिए पहले की अपेक्षा दोगुने परचेज सैंटर बनाए गए हैं। श्री दलाल ने यह भी कहा कि अभी भी कपास और सरसों का भाव टूटा नहीं है। श्री दलाल ने यह भी कहा कि हमारी भावुक कौम है, हम पहले करते हैं फिर सोचते हैं। उन्होंने कहा कि हमें विवेक से काम लेना चाहिए।

इस मौके पर बादशाहपुर के विधायक एवं हरियाणा एग्रो इंडस्ट्रीज के चेयरमैन राकेश दौलताबाद ने कहा कि मुख्यमंत्री ने आज इस इलाके को इतनी बड़ी सौगात दी है कि यहां पर विश्वस्तरीय संस्थान बनेगा। उन्होंने कहा कि यहां से पास होने वाले विद्यार्थियों की शत प्रतिशत प्लेसमेंट होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने ही कृषि से जुड़ी आबादी के कल्याण के बारे में सोचते हुए यह कदम उठाया है। कृषि विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेन्द्र सिंह ने कहा कि आज शब्दकोश में एग्री प्रेन्योरशिप एक नया शब्द जुड़ गया है जोकि एग्री बिजनेस और एंटरप्रेन्योरशिप से मिलकर बना है। उन्होंने भी कहा कि हरियाणा सरकार रबी और खरीफ की 9 फसलें एमएसपी पर खरीद रही है। उन्होंने बताया कि आज के आधुनिक समय में एग्री बिजनेस की आवश्यकता है जिसको बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में 486 फार्मर प्रोड्यूस आर्गेनाइजेशन (एफपीओ) बनाए गए हैं। यही नहीं, हाल ही में बनाए गए एग्री इंफ्रा फंड के तहत किसानों ने लगभग 200 करोड़ रूपये के प्रोजेक्ट तैयार करके जमा करवाए हैं। उन्होंने यह भी बताया कि माइक्रो इरीगेशन की स्कीम पहले ट्यूबवैल के लिए थी लेकिन अब नहरी पानी के लिए भी स्कीम बनाई गई है जिसमें 85 प्रतिशत सबसिडी उपकरणों पर तथा होदी आदि बनाने के लिए 100 प्रतिशत पर सबसिडी दी जाती है। इसके लिए पोर्टल खोल दिया गया है जिसमें दक्षिण हरियाणा के किसानों का अच्छा रिस्पांस मिल रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि हमारे प्रोग्रेसिव फार्मर एक एकड़ में 5 से 6 लाख रूपये की आमदनी ले रहे हैं। श्री सिंह ने कहा कि इस संस्थान में युवाओं को एग्री बिजनेस की प्रैक्टिल ट्रेनिंग दी जाएगी और प्रोग्रेसिव फार्मर अपनी बैस्ट प्रैक्टीसिज को यहां विद्यार्थियों के साथ शेयर करेंगे। इस अवसर पर कृषि मंत्री जेपी दलाल, बादशाहपुर के विधायक राकेश दौलताबाद, कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह, कुलपति प्रो. समर सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़, पुलिस आयुक्त के के राव, उपायुक्त डा. यश गर्ग, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्रशासक जितेन्द्र यादव सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे।

हमारी सरकार किसान हितैषी है : सीएम

ह्यूमन इंडिया/ब्यूरो

गुरुग्राम। हरियाणा के मुख्यमंत्री श्री मनोहर लाल ने आज कहा कि हमारी सरकार किसान हितैषी है, किसान के पक्ष में काम करने वाली है। उन्होंने कहा कि किसान भाईयों को चाहिए कि जागरूक नागरिक के नाते हर चीज का अध्ययन करें, कहीं कमी हो तो हमें बताएं। आधुनिक युग में नई चीजों के नाते प्रयोग भी करने चाहिए। मुख्यमंत्री आज गुरुग्राम जिला के गांव दौलताबाद में इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एग्रीप्रेन्योरशिप नामक संस्थान के आधारशिला समारोह में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने आज फिर दोहराया कि एमएसपी थी, एमएसपी है और एमएसपी रहेगी। उन्होंने विपक्षी दलों पर निशाना साधते हुए कहा कि विपक्षी दलों का तो काम ही सरकार के कामों में मीनमेख निकालना होता है लेकिन ऐसा करते समय भी मर्यादाओं का ध्यान रखना जरूरी है। उन्होंने कहा कि जिन तीन कृषि बिलों को लेकर धरना प्रदर्शन हो रहे हैं और उसमें कांग्रेस सहित विपक्षी दल राजनीति कर रहे हैं, वही कांग्रेस इन बिलों को लागू करना चाहती थी। सही मायनों में इन बिलों पर चर्चा कांग्रेस कार्यकाल के समय पर ही हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि हरियाणा प्रदेश में 17 लाख किसान हैं, हमें सभी के लिए योजनाएं बनानी हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला गुरूग्राम	**14.02.2021**	--	--

दौलताबाद में रखी एग्रीप्रेन्योरशिप संस्थान की आधारशिला

अमर उजाला ब्यूरो

गुरुग्राम। मुख्यमंत्री मनोहरलाल ने शनिवार को गांव दौलताबाद में इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एग्रीप्रेन्योरशिप संस्थान की आधारशिला रखी। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार की तरफ से उक्त संस्थान का निर्माण किया जाएगा। इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संस्थान हरियाणा प्रदेश में तो अनूठा है ही, देश में भी इसके मुकाबले का संस्थान नहीं है। कहा कि इस संस्थान के माध्यम से लोगों को कृषि उत्पादों को बेचने और उनके प्रबंधन के पूरे अवसर मिलेंगे। वर्तमान में कृषि जोत भूमि छोटी होती जा रही है और ऐसे में हमें थोड़ी भूमि में नई तकनीक अपनाकर कृषि से ज्यादा लाभ अर्जित करने पर विचार करना होगा। इस बारे में योजनाएं बनानी पड़ेंगी और किसानों को भी फसलों में विविधकरण अपनाना होगा।

संस्थान की आधारशिला रखने के उपरांत उसके मॉडल को देखते हुए मुख्यमंत्री मनोहरला व कृषिमंत्री जे पी दलाल।

पैरी अर्बन एग्रीकल्चर अपनाने की जरूरत

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली एनसीआर की करीब 4 करोड़ की आबादी की खाद्यान्न संबंधी जरूरतों को पूरा करने के लिए किसानों को पैरी अर्बन एग्रीकल्चर अपनाने की जरूरत है। उन्होंने बताया कि दौलताबाद में जिस संस्थान की आधारशिला रखी गई है उसमें पांच प्रकार के पाठ्यक्रम होंगे। इनमें एग्री बिजनेस मैनेजमेंट, रूरल मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप मैनेजमेंट और कॉर्पोरेटिव मैनेजमेंट के कोर्स शामिल हैं।

लुवास के साथ योजनाओं पर चल रहा काम : मुख्यमंत्री ने कहा कि किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के साथ भी योजनाओं पर काम चल रहा है। करनाल में बागवानी विश्वविद्यालय की स्थापना हो रही है। उन्होंने कहा कि सरकार का प्रयास है किसान को समय पर बीज व खाद दिलाने के लिए उसकी ट्रैकिंग की जाएगी। इस मौके दौलताबाद व आसपास के 12 गांवों के सरपंचों ने मुख्यमंत्री को पगड़ी भेंटकर सम्मानित किया।

प्रदेश में बनाए गए हैं 486 एफपीओ

कृषि विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह ने कहा कि आज शब्दकोश में एग्रीप्रेन्योरशिप एक नया शब्द जुड़ गया है जो एग्री बिजनेस और एंटरप्रेन्योरशिप से मिलकर बना है। उन्होंने कहा कि हरियाणा सरकार रबी और खरीफ की 9 फसलें एमएसपी पर खरीद रही है। उन्होंने बताया कि एग्री बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए प्रदेश में 486 फार्मर प्रोड्यूस ऑर्गनाइजेशन (एफपीओ) बनाए गए हैं। हाल ही में बनाए गए एग्री इंफ्रा फंड के तहत किसानों ने लगभग 200 करोड़ के प्रोजेक्ट तैयार करके जमा करवाएं हैं। माइक्रो इरीगेशन की योजना पहले ट्यूबवेल के लिए थी लेकिन अब नहरी पानी के लिए भी योजना बनाई गई है, जिसमें उपकरणों पर 85 फीसदी की सब्सिडी दी जाती है। इसके लिए पोर्टल खोल दिया गया है, जिसमें दक्षिण हरियाणा के किसानों का अच्छा रिस्पांस मिल रहा है।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
सहारा गुरूग्राम	**14.02.2021**	--	--

कृषि उद्यमियों के लिए मील का पत्थर साबित होगा आईबीएमई : मुख्यमंत्री

गुरुग्राम (एसएनबी)। चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय (सीसीएस एचएयू) हिसार गुरुग्राम जिला के गांव दौलताबाद में इंस्टीट्यूट आफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप (आईबीएमई) नामक संस्थान का निर्माण करेगा, जिसकी आधारशिला शनिवार को प्रदेश के मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने रखी। सीसीएस एचएयू हिसार द्वारा गांव दौलताबाद में आयोजित शिलान्यास कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि यह संस्थान हरियाणा प्रदेश में तो अनूठा है ही, देश में भी इसके मुकाबले का संस्थान नहीं है।

सीएम ने सीसीएस एचएयू के इंस्टीट्यूट आफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप की रखी आधारशिला

उन्होंने इस संस्थान के माध्यम से कृषि उत्पादों को बेचने और उनके प्रबंधन के पूरे अवसर मिलेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्तमान में कृषि जोत छोटी होती जा रही है और ऐसे में हमें सोचना होगा कि किस प्रकार थोड़ी जोत भूमि में नई तकनीक अपनाकर या वैज्ञानिक तरीके से खेती करके तथा मार्केट की मांग के अनुसार कृषि उत्पादन करके ज्यादा लाभ अर्जित करना है। इस बारे में योजनाएं बनानी पड़ेगी और किसानों को भी फसल में विविधिकरण अपनाना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली एनसीआर में लगभग 4 करोड़ आबादी रहती है और उसकी दिन प्रतिदिन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस क्षेत्र में पड़ने वाले हरियाणा प्रदेश के किसानों को पैरी अर्बन एग्रीकल्चर अपनाने की जरूरत है। इसका मतलब है कि दिल्ली एनसीआर की जरूरत को पूरा करने के लिए हम सब्जी, फल, फूल, दूध, मछली पालन, दुग्ध उत्पाद आदि के उत्पादन बढ़ाएं।उन्होंने बताया कि जिस संस्थान की आधारशिला रखी गई है, उसमें पांच प्रकार के कोर्सेज होंगे। इनमें एग्री बिजनेस मैनेजमेंट, रूरल मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट, एंटरप्रेन्योरशिप मैनेजमेंट तथा कोआपरेटिव मैनेजमेंट के कोर्स शामिल हैं। यहां से विधाएं सीखकर शिक्षित युवा रोजगार के ज्यादा अवसर प्राप्त करने के लिए योग्य बनेंगे।

यही नहीं यह संस्थान एक एक्सचेंज के रूप में भी काम करेगा, जिसमें बड़े-बड़े संस्थानों का योग्य उम्मीदवारों के साथ तालमेल कराया जाएगा। उन्होंने यह भी कहा कि किसानों की आय बढ़ाने की दिशा में लाला लाजपत राय पशु चिकित्सा एवं पशु विज्ञान विश्वविद्यालय (लुवास) के साथ भी योजनाओं पर काम चल रहा है। यही नहीं करनाल में बागवानी विश्वविद्यालय की स्थापना हो रही है, ताकि किसानों को बागवानी अपनाने के लिए प्रेरित किया जा सके।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हिन्दूस्तान गुरूग्राम	**14.02.2021**	--	--

मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने दौलताबाद गांव में इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप की आधारशिला रखी

युवा कृषि उद्योग और प्रबंधन का प्रशिक्षण ले सकेंगे

तैयारी

गुरुग्राम | कार्यालय संवाददाता

कृषि से जुड़े व्यापार शुरू करने और उनके बेहतर प्रबंधन के लिए चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय हिसार युवाओं को आधुनिक तकनीकों के जरिए प्रशिक्षित करेगा। इसके लिए गुरुग्राम के दौलताबाद गांव में विश्वविद्यालय द्वारा इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप स्थापित करवाया जा रहा है। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने शनिवार को इस संस्थान की आधारशिला रखी।

उन्होंने कहा कि यह संस्थान प्रदेश में अनूठा होगा और इस संस्थान के माध्यम से कृषि उत्पादों को बेचने और उनके प्रबंधन के पूरे अवसर मिलेंगे। इस मौके पर प्रदेश के कृषि मंत्री जेपी दलाल और बादशाहपुर से विधायक राकेश दौलताबाद भी मौजूद रहे। यह संस्थान गांव दौलताबाद में छह एकड़ जमीन पर बनाया जा रहा है। इसके निर्माण पर करीब 125 करोड़ रुपये खर्च होंगे। इस इंस्टीट्यूट में कृषि व्यवसाय से संबंधित पाठयक्रम पढ़ाए जाएंगे एवं प्रदेश के युवाओं को कृषि व्यवसाय स्थापित करने में पारंगत किया जाएगा। मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का संकल्प है कि 2022 तक किसानों की आय दोगुनी हो। इस दिशा में प्रदेश सरकार काम कर रही है।

'युवा आत्मनिर्भर बनेंगे'

मुख्यमंत्री ने कहा कि इस संस्थान से युवा आधुनिक विधाएं सीखकर रोजगार के ज्यादा अवसर प्राप्त करने के योग्य बनेंगे। संस्थान एक एक्सचेंज के रूप में भी काम करेगा, जिसमें बड़े-बड़े संस्थानों का योग्य उम्मीदवारों के साथ तालमेल करवाया जाएगा। करनाल में भी बागवानी विश्वविद्यालय बन रहा, जिससे बागवानी अपनाने के लिए भी प्रेरित किया जा सके।

गुरुग्राम में बनने वाले इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एंड एग्रीप्रेन्योरशिप नामक संस्थान की शनिवार को आधारशिला रखते मुख्यमंत्री मनोहर लाल। उनके साथ कृषिमंत्री जेपी दलाल और विधायक राकेश दौलताबाद भी मौजूद रहे।

शिलान्यास कार्यक्रम में ये लोग रहे उपस्थित

इस अवसर पर कृषि एवं किसान कल्याण विभाग हरियाणा सरकार के अतिरिक्त मुख्य सचिव देवेंद्र सिंह, भाजपा जिला अध्यक्ष गार्गी कक्कड़, पुलिस आयुक्त के के राव, उपायुक्त डॉ. यश गर्ग, हरियाणा शहरी विकास प्राधिकरण के प्रशासक जितेंद्र यादव सहित सभी महाविद्यालयों के अधिष्ठाता, निदेशक एवं विभागाध्यक्ष भी मौजूद रहे।

पांच कोर्स में 100 सीटें हुई हैं स्वीकृत

शुरुआती चरण में संस्थान के पांच विभागों के अधीन युवाओं को कोर्स करने का मौका मिलेगा। इसमें एग्री बिजनेस मैनेजमेंट, बिजनेस मैनेजमेंट, रूरल मैनेजमेंट, को-ऑपरेटिव मैनेजमेंट एवं एंटरप्रेन्योरशिप मैनेजमेंट शामिल है। प्रत्येक विभाग के हिसाब से संस्थान में 20-20 सीटें होंगी, जिन पर विद्यार्थियों का दाखिला होगा। इस लिहाज से संस्थान में कुल 100 सीटें स्वीकृत की गई हैं। इस संस्थान में दाखिला कैट और कमैट (कंबाइंड एडमिशन टेस्ट और कंबाइंड मैनेजमेंट एडमिशन टेस्ट) के माध्यम से होगा। प्रत्येक कोर्स दो वर्ष की अवधि का होगा।

डिप्लोमा कोर्स भी होंगे शुरू

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर समर सिंह ने बताया कि इस संस्थान में एमबीए एवं पीएचडी की शुरुआत 2020-21 के सत्र से कर दी गई है। इसकी कक्षाएं हिसार में शुरू हो चुकी हैं। धीरे-धीरे इस संस्थान में स्नातक स्तर के एवं रोजगार परक डिप्लोमा कोर्स भी शुरू किए जाएंगे। ग्रामीण क्षेत्रों के कम पढ़े-लिखे युवक एवं युवतियों को भी यह संस्थान प्रशिक्षण प्रदान करेगा।

ऐसी होगी रूपरेखा

जिले में खोले जा रहे इंस्टीट्यूट ऑफ बिजनेस मैनेजमेंट एवं एग्रीप्रेन्योरशिप संस्थान में 50 शिक्षक एवं गैर शिक्षक कर्मचारी कार्यरत होंगे। पूरे परिसर में शिक्षण संकाय, ऑडिटोरियम, पुस्तकालय, छात्रावास एवं गेस्ट हाउस जैसी मूलभूत सुविधाओं का निर्माण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त ऑन द जॉब ट्रेनिंग और अच्छी प्लेसमेंट के लिए देशी एवं विदेशी कंपनियों का सहयोग भी लिया जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
दैनिक जागरण	14.02.2021	1	6-8

तकनीक : एक घंटे में 80 क्विंटल तक धान साफ कर देगा सुपर पावर फैन

किसान का स्टार्ट-अप

वैभव शर्मा ● हिसार

देशभर में प्रतिभाएं छुपी हैं, उन्हें उभारने का काम किया जाए तो वह मिसाल बनकर उभरती है। इस बात को हिसार के 12वीं पास किसान राजेंद्र ने सच कर दिखाया है। हिसार के सातरोड कला निवासी राजेंद्र ने एक नया स्टार्ट-अप शुरू किया है। उन्होंने किसानों की समस्या को समझते हुए सुपर पावर फैन का इजाद किया। यह पंखा इतना शक्तिशाली है कि एक घंटे के समय में कई क्विंटल फसलों को साफ कर देता है। धान की बात करें तो सुपर पावर फैन 75 से 80 क्विंटल तक की सफाई एक घंटे में कर चुका है। इस आविष्कार को किसान राजेंद्र, चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय में स्थित एग्री बिजनेस इन्क्यूवेशन सेंटर (एबिक) की मदद से स्टार्ट-अप का रूप दे रहे हैं। इस पंखे की चर्चा जब किसानों तक पहुंची तो कई किसान इसे खरीदने में रूचि दिखा चुके हैं। अभी तक राजेंद्र के 12 सुपर पावर फैन बिक चुके हैं और उनके पास ऑर्डर लंबित हैं। इस पंखे की कीमत 1.65 लाख है। इसके साथ ही एबिक किसानों के नवाचारों को फंडिंग भी देता है तो इसमें राजेंद्र के यह प्रोजेक्ट चयनित भी कर लिया गया है।

दोस्त की समस्या से शुरू हुआ इनोवेशन : राजेंद्र बताते हैं कि वह खेतों में किराये पर ट्रैक्टर चलाते रहे हैं। ऐसे में कृषि में प्रयोग होने वाली मशीनों से अक्सर रूबरू होते रहे। 2017 में उनके एक दोस्त ने प्रेरित किया कि वह कोई ऐसी मशीन तैयार करें जो फसलों की सफाई को सही से करे और लागत कम होने के साथ समय भी बचाए। ऐसे में बाजार में पहले से फसलों की सफाई के लिए पंखा मौजूद था। वह उसमें यह समस्या था कि वह वाइब्रेशन बहुत करता और एक घंटे में 40 क्विंटल ही फसल साफ कर पाता। ऐसे में पहले राजेंद्र ने अपने गांव में एक छोटी वर्कशॉप बनाई, इसमें कुछ मशीनों को लाकर प्रयोग करने शुरू किए। कुछ महीने बाद एक छोटा पंखा तैयार हो गया। जिसने पुरानी मशीन की समस्याएं दूर की साथ ही सफाई करने में फसल की मात्रा को बढ़ा दिया और समय को बचाने का काम किया। इसके बाद इस मशीन में अपने साथ जानकार किसानों के यहां ट्रायल के रूप में कई महीने तक चलाया। यह मशीन करीब 40 हजार रुपये में तैयार हो गई थी।

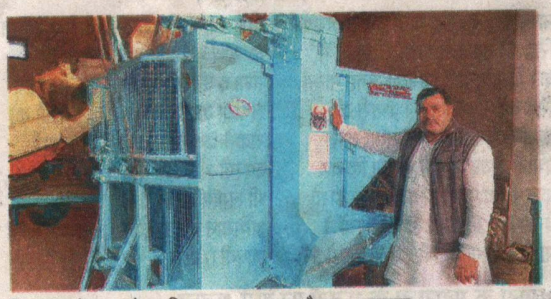

किसान राजेंद्र द्वारा तैयार किया गया सुपर पावर फैन। ● जागरण

मशीन को पेटेंट कराने की चल रही है प्रक्रिया

राजेंद्र ने बताया कि उनके परिचित ने बताया कि ऐसे नवाचारों को स्टार्ट-अप तक ले जाने में एचएयू के एबिक सेंटर काम करता है। ऐसे में वह एबिक सेंटर पहुंचे तो यहां उन्होंने प्रोजेक्ट दिखाया तो सभी ने हाथों हाथ लिया। किसान की कंपनी से लेकर पेटेंट कराने तक की जानकारी दी गई। इस प्रोजेक्ट को बड़े स्तर पर शुरू करने के लिए एबिक द्वारा प्रोजेक्ट को उच्चाधिकारियों के पास भेजा जा रहा है। ताकि इस नवाचार को 25 लाख रुपये की ग्रांट मिल सके। आर्थिक सहायता मिलते ही एचएयू के मशीन टेस्टिंग लैब में भी इसे भेजा जाएगा।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
हरि भूमि	14.02.2021	11	02-05

युवाओं को दिया स्प्रे तकनीक के बारे में प्रशिक्षण

■ कृषि विज्ञान केन्द्र पर पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| फतेहाबाद

कृषि विज्ञान केन्द्र फतेहाबाद द्वारा अनुसूचित वर्ग के युवक-युवतियों के लिए पांच दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन केन्द्र पर किया गया। इस कार्यक्रम में युवाओं को विशेषज्ञों द्वारा स्प्रे तकनीक और फल एवं सब्जी परिरक्षण विषय पर जानकारियां दी गई। शिविर में 60 प्रतिभागियों ने अपना स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रशिक्षण लिया। इस दौरान चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय से आए वैज्ञानिकों ने विषय सम्बंधित जानकारियां दी। पादप रोग विशेषज्ञ डॉ. कुशल राज ने फंफूदनाशकों के स्प्रे सम्बंधी जानकारी दी वहीं डॉ. संदीप भाकर ने एफपीओ बनाने व इसके महत्व के बारे में बताया। डॉ. सतवीर पूनियां व डॉ. टोडर मल ने खरपतवार नाशकों के छिड़काव के बारे में बताया कृषि विभाग से आए इंजीनियर सुभाष भाम्भू ने खेती में इस्तेमाल होने वाले विभिन्न प्रकार के औजारों व सरकार द्वारा दिए जा रहे अनुदान के बारे में जानकारी दी। शिविर में केन्द्र के वरिष्ठ वैज्ञानिक एवं संयोजक डॉ. लक्ष्यवीर बैनीवाल ने विभिन्न प्रकार के जैम, जैली, मुरब्बा व आचार बनाने की विधि बारे जानकारी दी डॉ. हंसराज व डॉ. सुमित ने प्रकार की चटनी व शर्बत बनाकर दिखाए।

फतेहाबाद। कृषि विज्ञान केन्द्र पर आयोजित प्रशिक्षण शिविर में भाग लेते युवा।

डॉ. संतोष कुमार, डॉ. सरदूल मान, डॉ. विकास, तकनीकी सहायक डा. सुशील व डॉ. निर्मल ने भी अपने विषयों बारे युवाओं को जानकारी दी। क डॉ. लक्ष्यवीर बैनीवाल ने प्रशिक्षणार्थियों से आह्वान किया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण से उत्पाद बनाकर ग्रामीण महिलाएं आमदनी बढ़ाने का जरिया बना सकती हैं।

चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय, हिसार
लोक संपर्क कार्यालय

समाचार पत्र का नाम	दिनांक	पृष्ठ संख्या	कॉलम
अमर उजाला	15.02.2021	04	01-02

कृषि विशेषज्ञ की सलाह

डॉ. एसके सहरावत

संतरा, माल्टा व नींबू में इस महीने यूरिया देना नहीं भूलें

किसान संतरा, माल्टा और नींबू आदि फसलों में 750 ग्राम यूरिया प्रति पौधा इस महीने के मध्य तक अवश्य डाल दें। नए पौधों पर लगाए गए छप्पर आदि अब हटा सकते हैं, क्योंकि अब मौसम कुछ गर्म होना शुरू हो गया है। नींबू का सिल्ला व सफेद मक्खी रस चूसकर बहुत हानि पहुंचाते हैं।

डॉ. एसके सहरावत
अनुसंधान निदेशक
एचएयू, हिसार।

सुरंगी कीट नए पत्तों पर टेढ़ी-मेढ़ी चमकीली बना देता है, जिससे पत्ते पूरी तरह मुड़ जाते हैं। इससे नए फल कमजोर हो जाते हैं और कम भी लगते हैं। इन कीटों की रोकथाम के लिए फूल खिलने से पहले नया फुटाव आने पर 625 मिली. डाइमिथोएट 30 ईसी या 500 एमएल न्यूवाक्रान/मोनाक्रोटोफॉस मोनोसिल 36 डब्ल्यू.एससी. को 500 लीटर पानी में मिलाकर प्रति एकड़ छिड़कें तो अधिक लाभ होगा।

नींबू में कीटों से बचाव के लिए 625 मिली. डाइमिथोएट 30 ईसी का छिड़काव करें

संतरा व माल्टा में कोढ़ से पत्तों, टहनियों और फलों पर गहरे-भूरे रंग के खुरदरे धब्बे पड़ जाते हैं। टहनी मार रोग से टहनियां ऊपर से सूखनी शुरू हो जाती हैं, कभी-कभी बड़ी टहनियां भी सूख जाती हैं। पत्तों पर दाग पड़ जाते हैं और फल व तने भी गल जाते हैं। इन बीमारियों के नियंत्रण के लिए रोगी टहनियों की काट-छांट करें और इसके बाद 0.3 प्रतिशत कॉपर ऑक्सी क्लोराइड का पहला छिड़काव अक्तूबर, दूसरा दिसंबर और तीसरा फरवरी में करें।

(संदीप बिश्नोई, हिसार)

सवाल भेजें (व्हाट्सएप नंबर) 7617566173
roh-cityreporter@roh.amarujala.com